अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 252 लखनऊ, बुधवार, 01 अप्रैल 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

उप्र पुलिस विभाग में 119 निरीक्षक बने डीएसपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में मंगलवार को बड़े स्तर पर पुलिस कर्मियों की पदोन्नति हुई है। इनमें कुछ ऐसे पुलिसकर्मी है, जो अगले माह में रिटायरमेंट होने वाले हैं। चार इंस्पेक्टर आज सेवानिवृत्त हो गए हैं। पुलिस मुख्यालय से मंगलवार शाम को जारी सूची के मुताबिक, इस संबंध में 24 मार्च को डीपीसी हुई थी, जिसके बाद 119 निरीक्षकों को इनके डिप्टी एसपी बनने का आदेश जारी कर दिया गया। इनमें कुछ पुलिस कर्मी ऐसे है जो आज सेवानिवृत्त हुए और कुछ होने वाले हैं।

नालंदा के शीतला अष्टमी मेले में भगदड़, कम से कम 8 श्रद्धालुओं की मौत

बिहारशरीफ। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा के शीतला माता मंदिर में पूजा के दौरान मंगलवार को मची भगदड़ में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। बिहार शरीफ़ के सहायक पुलिस अधीक्षक नूरुल हक़ ने बताया कि आज सुबह शीतला माता मंदिर में मची भगदड़ में कम से कम आठ महिलाओं की मौत हो गई है। पुलिसकर्मी और जिला प्रशासन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं, और बचाव कार्य जारी है। हालात से निपटने के लिए ज़िला प्रशासन ने अब मंदिर को बंद कर दिया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मंदिर में भीड़ को काबू करने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम नहीं थे। नालंदा और उसके आस-पास के ज़िलों से श्रद्धालु हर मंगलवार को मगध स्थान स्थित इस मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए इकट्ठा होते हैं। उन्होंने बताया कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है।

कैबिनेट मंजूरी के बाद पांच राज्यों को जल जीवन मिशन 2.0 के तहत 1,561 करोड़ रुपये जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में ग्रामीण घरों तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन 2.0 के तहत पांच राज्यों को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए फंड जारी कर दिए हैं। केंद्रीय कैबिनेट से 10 मार्च को मंजूरी मिलने के बाद यह राशि राज्यों को आवश्यक अनुपालन शर्तें पूरी करने पर दी गई है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अनुसार उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा और मध्य प्रदेश को कुल 1,561.53 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इसमें उत्तर प्रदेश को 792.93 करोड़, छत्तीसगढ़ को 536.53 करोड़, मध्य प्रदेश को 154.02 करोड़, ओडिशा को 65.31 करोड़ और महाराष्ट्र को 12.74 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

निवेश, नवाचार और विनिर्माण का वैश्विक केंद्र होगा उप्र : योगी

विकसित उत्तर प्रदेश @2047 की कार्ययोजना को ठोस फ्रेमवर्क के साथ जमीन पर उतारें : सीएम

- विकसित यूपी@2047 के लिए मिले 98 लाख से अधिक सुझाव, अब शीघ्र जारी होगी सेक्टरवार विस्तृत कार्ययोजना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 'विकसित उत्तर प्रदेश अ2047' की कार्ययोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि यह दस्तावेज केवल एक विजन नहीं, बल्कि प्रदेश के आर्थिक, सामाजिक और संरचनात्मक रूपांतरण का स्पष्ट रोडमैप है। उन्होंने निर्देश दिए कि इसे व्यापक और सहभागी बनाते हुए प्रदेश भर से प्राप्त 98 लाख से अधिक जन-सुझावों, विशेषज्ञों, उद्योग संगठनों तथा अन्य हितधारकों के विचारों का विश्लेषण करते हुए समाहित किया जाए और उसी आधार पर सेक्टरवार अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक कार्ययोजना शीघ्र जारी की जाए।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विजन डॉक्यूमेंट व्यवहारिक, परिणामोन्मुख और समयबद्ध होना चाहिए, जो प्रदेश को 2047 तक विकसित राज्य बनाने का ठोस आधार प्रस्तुत करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसे केवल सैद्धांतिक दस्तावेज न रखकर सेक्टरवार मिशनों, 2030, 2036 और 2047 के स्पष्ट लक्ष्यों तथा क्रियान्वयन योग्य कार्ययोजनाओं में विभाजित किया जाए। साथ ही सभी विभाग त्रैमासिक एवं वार्षिक लक्ष्यों के अनुरूप विभागवार और अंतर-क्षेत्रीय कार्ययोजना तैयार करें, जिसमें जिम्मेदारियों, अपेक्षित परिणामों और समन्वय की व्यवस्था स्पष्ट रूप से निर्धारित हो।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य स्तर पर तैयार विजन को जिला, शहर और पंचायत स्तर तक प्रभावी रूप से लागू किया जाए। इसके लिए 'जिला विजन 2047' तैयार कर स्थानीय आवश्यकताओं और संसाधनों के अनुरूप योजनाएं बनाई जाए। साथ ही प्रमुख परियोजनाओं की सुव्यवस्थित पाइपलाइन तैयार कर उनकी सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि विकास कार्यों का प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश का पूरा ढांचा तीन प्रमुख स्तंभों 'अर्थशक्ति, जनशक्ति और जीवनशक्ति' पर आधारित है, जिन्हें मजबूत करने के लिए कृषि, उद्योग, सेवाएं, बुनियादी ढांचा, सामाजिक क्षेत्र और सुशासन को एकीकृत रूप से आगे बढ़ाना होगा।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि विजन डॉक्यूमेंट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए रीयल-टाइम डैशबोर्ड के माध्यम से नियमित समीक्षा व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि प्रगति की सतत निगरानी हो और आवश्यक सुधार समय पर सुनिश्चित किए जा सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दस्तावेज स्थिर नहीं, बल्कि एक डायनामिक और एक्शन-ओरिएंटेड मार्गदर्शिका होनी चाहिए।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश ने 2047 तक छह ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है, जबकि 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर और 2036 तक दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का मध्यवर्ती लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगभग 16 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर आवश्यक आंकी गई है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था लगभग 356 बिलियन डॉलर के स्तर पर है और भारत की जीडीपी में इसका योगदान करीब नौ प्रतिशत से अधिक है। मुख्यमंत्री ने सेक्टर आधारित रणनीति पर विशेष जोर देते हुए कहा कि कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र में संतुलित और उच्च उत्पादकता आधारित विकास सुनिश्चित किया जाए।

'मेक इन इंडिया' को मिली नई ताकत : प्रधानमंत्री

- साणंद में केयन्स सेमीकॉन प्लांट का उद्घाटन

एजेंसी

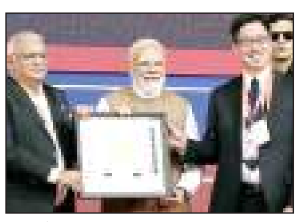

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात के साणंद जीआईडीसी में केयन्स सेमीकॉन के अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह दिन ल्लमेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्डङ्क के विजन को साकार करने वाला ऐतिहासिक क्षण है और भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्लांट के शुरू होने के साथ ही यहां कमर्शियल प्रोडक्शन भी आरंभ हो गया है, जो भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। केयन्स सेमीकॉन सुविधा का उद्घाटन भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत प्रयासों को और गति देता है तथा एक सशक्त सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के निर्माण की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा। मोदी ने कहा कि भारत अब वैश्विक बाजार में एक भरोसेमंद सेमीकंडक्टर सप्लायर के रूप में उभर रहा है।

तीसरे प्रयास में चमकी आकृति शुक्ला की किस्मत

पीसीएस में तीसरी रैंक पाकर बनीं डिप्टी एसपी

- टूटने के बाद भी नहीं मानी हार, भाभी और परिवार के सहयोग से बदली तैयारी की दिशा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ/प्रयागराज। प्रयागराज की आकृति शुक्ला ने कड़े संघर्ष, लगातार मेहनत और परिवार के अटूट सहयोग के दम पर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की वर्ष 2024 की पीसीएस परीक्षा में तीसरी रैंक हासिल कर डिप्टी एसपी का पद प्राप्त किया है। यह सफलता उनके तीसरे प्रयास में मिली, जो उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और हार न मानने के जज़्बे की मिसाल है। सामान्य पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाली आकृति के पिता अखिलेश कुमार शुक्ला डिफेंस से सेवानिवृत्त हैं, जबकि उनकी माता कंचन शुक्ला गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद आकृति ने अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया और निरंतर प्रयास करती रहीं। आकृति बताती हैं कि तैयारी के दौरान उन्हें कई बार असफलताओं का सामना करना पड़ा। एक समय ऐसा भी आया जब उन्होंने पूरी तरह से निराश होकर तैयारी छोड़ने का मन बना लिया था। लेकिन इसी कठिन दौर में उनके बड़े पापा शेषधर शुक्ला, जो स्वयं पीसीएस से सेवानिवृत्त हैं, ने उन्हें हिम्मत दी और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उनकी सफलता में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया, जब उनके परिवार में उनकी भाभी श्रेया का आगमन हुआ। आकृति के अनुसार, भाभी के साथ मिलकर पढ़ाई करने से न केवल उनकी तैयारी बेहतर हुई, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा। दोनों साथ बैठकर विषयों पर चर्चा करती थीं, नोट्स साझा करती थीं और एक-दूसरे को लगातार प्रेरित करती थीं। यह ननद-भाभी की जोड़ी आज सफलता की मिसाल बन गई है।

राष्ट्रीय प्रस्तावना के निदेशक संपादक संजीव श्रीवास्तव को दिए एक विशेष साक्षात्कार में आकृति शुक्ला ने कहा कि उनकी सफलता के पीछे सबसे बड़ा योगदान उनके परिवार का है। उन्होंने कहा कि ल्लपरिवार के सहयोग और अपनी मेहनत के दम पर ही मैं इस मुकाम तक पहुंच पाई हूं। अगर सच्चे मन से मेहनत की जाए, तो सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि तैयारी के दौरान उन्हें समय-समय पर सही मार्गदर्शन मिलता रहा। खासतौर पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राधेश्याम मिश्रा, जो राष्ट्रीय प्रस्तावना मीडिया समूह के सलाहकार संपादक भी हैं, उनका मार्गदर्शन उनके लिए बेहद प्रेरणादायक रहा।

डिप्टी एसपी के रूप में चयनित होने के बाद आकृति शुक्ला ने अपनी प्राथमिकताएं भी स्पष्ट की हैं। उन्होंने कहा कि वे समाज में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर विशेष ध्यान देंगी और पूरी ईमानदारी के साथ न्याय दिलाने का प्रयास करेंगी। आकृति शुक्ला की यह सफलता उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो असफलताओं से घबराकर अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि यदि परिवार का साथ और खुद पर विश्वास हो, तो हर मुश्किल को पार किया जा सकता है।

जल्द शुरू होगा दीक्षा-एलपीएल एकेडमी फॉर लैबोरेटरी मेडिसिन' स्किल ट्रेनिंग सेंटर्स

- हेल्थकेयर स्किलिंग को बढ़ावा देने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बनाने के उद्देश्य से हर साल 350 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

रांची। डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड की सीएसआर इकाई- डालमिया भारत फाउंडेशन (डीबीएफ) और डॉ. लाल पैथलैब्स लिमिटेड की सीएसआर इकाई- लाल पैथलैब्स फाउंडेशन के बीच एक समझौता (एमओयू) किया गया है। उक्त साझेदारी 'दीक्षा- एलपीएल एकेडमी फॉर लैबोरेटरी मेडिसिन' कार्यक्रम के तहत स्किल ट्रेनिंग सेंटर शुरू करने पर केंद्रित है। इस पहल के तहत कर्नाटक के बेलगाम और झारखंड के रांची में स्किल ट्रेनिंग सेंटर्स स्थापित किए जाएँगे, जहाँ फ़ेलबोटॉमी में विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि युवाओं को उद्योग से जुड़े जरूरी कौशल मिल सकें। ये सेंटर्स हर साल 350 युवाओं को प्रशिक्षण देंगे, जिससे उन्हें स्थायी रोजगार के अवसर मिल सकें। वहीं, रांची सेंटर में हर साल 175 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस एमओयू पर दोनों संगठनों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। लाल पैथलैब्स फाउंडेशन की ओर से सीएसआर प्रमुख राजेश सिंह और डिप्टी मैनेजर-सीएसआर आशीष डांगर उपस्थित रहे। वहीं, डालमिया भारत फाउंडेशन की ओर से सीईओ अशोक कुमार गुप्ता ने इस समझौते का नेतृत्व किया।

इस अवसर पर डालमिया भारत फाउंडेशन के सीईओ अशोक कुमार गुप्ता ने कहा, ''हेल्थकेयर स्किलिंग एक ऐसे कार्यबल को तैयार करने में अहम् भूमिका निभाती है, जो भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार होने के साथ ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच को भी मजबूत करती है। लाल पैथलैब्स फाउंडेशन के साथ हमारी यह साझेदारी स्किल डेवलपमेंट को आगे बढ़ाने और युवाओं के लिए हेल्थकेयर सेक्टर में स्थायी अवसर उत्पन्न करने बनाने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। लाल पैथलैब्स फाउंडेशन के सीएसआर प्रमुख राजेश सिंह ने कहा, ''हम इस साझेदारी को महत्वपूर्ण मानते हैं। साथ मिलकर हमारा लक्ष्य है कि युवाओं को उद्योग से जुड़े जरूरी कौशल देकर हेल्थकेयर सेक्टर, खासकर डायग्नोस्टिक क्षेत्र में बेहतर और स्थायी करियर के अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।''

भारत में अस्पतालों और डायग्नोस्टिक लैब्स में प्रशिक्षित फ़ेलबोटॉमिस्ट की माँग तेजी से बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण डायग्नोस्टिक सेक्टर का विस्तार और क्रॉनिक बीमारियों के बढ़ते मामले हैं। साथ ही, जाँच और होम कलेक्शन सेवाओं पर बढ़ती निर्भरता के चलते फ़ेलबोटॉमी आज हेल्थकेयर सेक्टर में एक भरोसेमंद और तेजी से बढ़ता करियर विकल्प बनकर उभर रहा है।

यह साझेदारी डीबीएफ और एलपीएलएफ के उस फोकस को आगे बढ़ाती है, जिसके तहत हेल्थकेयर स्किलिंग को मजबूत कर युवाओं के लिए रोजगार के बेहतर अवसर तैयार किए जा रहे हैं। फाउंडेशन लगातार स्किल डेवलपमेंट और कम्युनिटी सशक्तिकरण से जुड़ी पहलें कर रहा है, ताकि युवाओं को स्थायी आजीविका के अवसर मिल सकें।

पति की मृत्यु के बाद भी खत्म नहीं होती भरण-पोषण की जिम्मेदारी

- ससुर से विधवा मांग सकती है गुजारा भत्ता : हाईकोर्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में कहा कि पति की अपनी पत्नी के भरण-पोषण की जिम्मेदारी उसकी मृत्यु के बाद भी समाप्त नहीं होती। ऐसे में विधवा को अपने ससुर से भरण-पोषण मांगने का अधिकार है। जस्टिस अरिंदम सिन्हा और जस्टिस सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने कहा, ल्लयह स्थापित सिद्धांत है कि पति अपनी पत्नी के भरण-पोषण के लिए बाध्य है। यह दायित्व उसकी मृत्यु के बाद भी जारी रहता है और कानून विधवा को ससुर से भरण-पोषण मांगने की अनुमति देता है। अदालत ने यह टिप्पणी अकुल रस्तोगी की अपील पर की। पति ने परिवार न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी, जिसमें उसकी पत्नी के खिलाफ झूठा बयान देने की कार्रवाई की अनुमति देने से इनकार कर दिया गया। पति का आरोप था कि पत्नी ने भरण-पोषण पाने के लिए गलत जानकारी दी और खुद को गृहिणी बताया जबकि वह नौकरी करती है। उसने यह भी दावा किया कि पत्नी के पास 20 लाख रुपये से अधिक की सावधि जमा (एफडीआर) थी जिसे उसने छिपाया। अदालत ने पाया कि पति अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर सका। कोर्ट ने कहा कि यह साबित करने की जिम्मेदारी पति की थी कि पत्नी नौकरी कर रही है।

थोड़ी सख्ती, थोड़ा प्रबंधन और सब नॉर्मल

- तीन-चार दिन के पब्लिक पेशेंस में ही हांफ गया अफवाह गैंग
- पेट्रोल पंपों पर भीड़ छंट गई और हालात भी सामान्य हो गए
- गैस एजेंसियों पर भी धीरे-धीरे लाइनें लगनी कम हो गई हैं

अभयानंद शुक्ल, कार्यकारी सम्पादक

लखनऊ। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच हो रहे युद्ध के बीच स्ट्रेट आफ होर्मुज बंद होने से पेट्रोलियम पदार्थों और कुकिंग गैस को लेकर जो पैनिक क्रिएट हुआ था, वह धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। पिछले तीन-चार दिन से पेट्रोल पंपों पर लगने वाली लाइनें अब लगभग समाप्त हो गई हैं, और माहौल सामान्य हो गया है। लगभग यही हाल गैस एजेंसियों पर भी है। यहां लाइनों की लंबाई कम हुई है, और लोगों की चिंता भी। यानी थोड़े से पब्लिक पेशेंस और अवेयरनेस, बेहतर प्रबंधन और अफवाह गैंग पर कंट्रोल ने सारी स्थितियों को काबू में कर लिया। कुल मिलाकर इस मामले में विपक्ष का नकारात्मक नैरेटिव ध्वस्त होता हुआ दिखाई दे रहा है।

इस मामले में जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पॉजिटिव अप्रोच अपनाया। उन्होंने पेट्रोल पंपों पर बढ़ती भीड़ और गैस एजेंसियों पर लगती लाइनों को देखकर साफ-साफ कहा था कि देश में गैस और पेट्रोलियम पदार्थों की कोई दिक्कत नहीं है, इसलिए आप पैनिक बाइंग मत कीजिए।

सब कुछ मिलेगा, क्योंकि किसी चीज की कमी नहीं है। इसके बावजूद जब लोग नहीं माने तो उन्होंने यह भी कहा कि अगर आप लोग नहीं मानेंगे तो मुझे पेट्रोलपंपों और गैस एजेंसियों को बंद करना पड़ेगा। हालांकि उन्होंने ये बात पब्लिक को धमकाने के अंदाज में कही थी लेकिन उनकी इस बात का पॉजिटिव रिस्पांस हुआ। और पेट्रोल पंपों से और गैस एजेंसियों के बाहर लाइन लगने कम हो गए। खबर है कि अब सब कुछ सामान्य हो गया है।

जानकार बताते हैं कि इसके पीछे जो फिलासफी काम कर रही थी वह यह थी कि जिसकी औकात प्रतिदिन ?50 का पेट्रोल भरवाने की थी, उसने भी अपने पूरे महीने का खर्च एक ही दिन में करके पेट्रोल जमा कर लिया। और जब उसका महीने भर का पैसा एक ही झटके में निपट गया तो उसका पेट्रोल खरीदने का जोश भी ठंडा हो गया। इसके चलते भी पेट्रोल पंपों पर भीड़ कम हुई है। सबने अपने-अपने बर्तनों में पेट्रोल खरीद कर भर लिया-डीजल खरीद कर भर लिया। पर उनकी गाड़ियों में उतनी खपत नहीं थी, इसलिए वह भी धक हारकर पेट्रोल पंप जाना बंद कर दिए, जैसा कि वे दूसरों के बहकाने पर और अफवाह गैंग की सूचनाओं पर भागम-भाग मचाए हुए थे। इसी प्रकार गैस एजेंसियों की भी यहीं हालत रही। घर में लगे हुए सिलेंडर के अलावा जब दूसरा सिलेंडर भी भर गया, तब लोगों को लगा कि अब क्या करें।

क्योंकि जब तक पहले वाला सिलेंडर खाली नहीं होगा तब तक उसको भरवाएं कैसे। यानी यहां भी आपाधापी खत्म हुई और सेचुरेशन की स्थिति आ गई। इसके चलते धीरे-धीरे गैस एजेंसियों पर दबाव कम हुआ है। हालांकि ये पूरी तरह खत्म तो नहीं हुआ है, लेकिन जानकार बता रहे हैं कि अब स्थिति नॉर्मल होने की ओर है।

इस पूरे मामले में अफवाह गैंग भी एक्सपोज हुआ है। बताते हैं कि कालाबाजारी में पकड़े गए अधिकतर लोग विपक्षी दलों के नेता थे। और जिनके घरों से सिलेंडरों की बरामदगी हुई है, वह भी विपक्ष के ही पाए गए। ऐसी स्थिति में रुसवाई से बचने के लिए विपक्ष के नेताओं ने अपने कारिंदों को रोका। और जब अफवाह गैंग और कालाबाजारियों ने पैनिक क्रिएट करना बंद कर दिया और पैनिक बाइंग रोक दिया तो स्थितियां सामान्य हो गईं। सरकारी एजेंसियों ने भी इस दौरान मुस्तैदी रखी, चाहे वह राशनिंग विभाग हो, पुलिस हो या कोई और महकमा। इस मामले में पेट्रोल पंपों के संचालकों ने और गैस एजेंसियों के संचालकों ने भी धैर्य का परिचय दिया और नियम अनुसार ही वितरण किया। कहीं-कहीं बवाल की भी सूचनाएं आईं लेकिन कुल मिलाकर स्थिति बहुत खराब नहीं होने पाई। अर्थात पेट्रोलियम पदार्थ और गैस संकट की पहली परीक्षा में सरकार पास होती दिख रही है।

सेमीकंडक्टर प्लांट 14 महीनों में तैयार हुआ, भारत बनेगा वैश्विक हब: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को अहमदाबाद के साणंद जीआईडीसी स्थित केयन्स सेमीकॉन संयंत्र के उद्घाटन अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के हर इंजीनियर का सपना साकार हो रहा है और भारत तेजी से सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि महज 14 महीनों में फाउंडेशन से लेकर कमर्शियल प्रोडक्शन की शुरुआत होना प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और राज्य सरकार के सतत प्रयासों का परिणाम है। यह उपलब्धि भारत के औद्योगिक विकास और तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वैष्णव ने बताया कि 28 फरवरी को पहले प्लांट का उद्घाटन हुआ था।

भय से भरोसे तक-मोदी सरकार के कारण लाल गलियारे में वंदे मातरम् की गूंज : केशव प्रसाद मौर्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नक्सल-मुक्त भारत की दिशा में केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के लौह संकल्प ने देश को दशकों तक जकड़े रखने वाले लाल आतंक की कमर तोड़ दी है। जो क्षेत्र कभी नक्सलियों के कब्जे में थे, वहां आज विकास, विश्वास और राष्ट्रभक्ति की नई धारा प्रवाहित हो रही है। मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में केशव मौर्य ने कहा कि एक समय था जब वामपंथी विचारधारा से पोषित नक्सलियों-माओवादियों ने पशुपति से तिरूपति तक लाल गलियारा बनाने का ऐलान करने का दुस्साहस किया था और देश के एक बड़े हिस्से को अपने शिकंजे में जकड़ लिया था। लेकिन मोदी सरकार की निर्णायक नीति और सख़्त कार्रवाई ने उस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। आज उसी कथित लाल गलियारे में 'वंदे मातरम्' की गूंज सुनाई दे रही है - यह नए भारत की सबसे बड़ी विजय है। उन्होंने कहा कि यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि कांग्रेस और उसका नेतृत्व हमेशा इन विध्वंसक तत्वों के प्रति नरम रुख अपनाता रहा। नक्सलियों के खिलाफ जब-जब कड़ी कार्रवाई हुई, तब-तब कांग्रेस और गांधी परिवार को सबसे अधिक पीड़ा हुई। उन्होंने कभी भी राज्य सरकारों के सशक्त प्रयासों को

प्रोत्साहित नहीं किया, बल्कि उन्हें हतोत्साहित करने का काम किया। छत्तीसगढ़ में सलवा-जुडूम जैसे आंदोलनों के प्रति कांग्रेस का रवैया इसका स्पष्ट उदाहरण है। उपमुख्यमंत्री केशव ने कहा कि यूपीए सरकार के दौरान नक्सलियों का मनोबल बढ़ा, लेकिन मोदी सरकार ने सत्ता में आते ही इस चुनौती को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया और उसे सिद्ध भी किया। आज नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं, जो 'विकसित भारत' की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के साथ-साथ अर्बन नक्सल भी विकसित भारत के रास्ते में एक बड़ा रोड़ा बने हुए हैं। ये शहरों में बैठकर अपनी खंडित और विध्वंसक विचारधारा के जरिए युवाओं को भ्रमित करने का काम करते हैं। ऐसे तत्वों की सोच को तोड़ना और उन्हें वैचारिक रूप से परास्त करना उतना ही आवश्यक है जितना जंगलों में सक्रिय नक्सलियों का सफाया। केशव मौर्य ने कहा कि कांग्रेस आज भी उसी पुरानी सोच से बाहर नहीं निकल पाई है, जिसने देश को दशकों तक हिंसा और अस्थिरता की आग में झोंक दिया। यह पार्टी लोकतंत्र का मुखौटा पहनकर राष्ट्रविरोधी विचारों को संरक्षण देने का काम करती रही है, लेकिन अब देश की जागरूक जनता इस दोहरे चरित्र को भलीभांति पहचान चुकी है।

अंत में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अब न केवल नक्सलवाद और आतंकवाद से मुक्त हो रहा है, बल्कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर मजबूती से अग्रसर है। यह नया भारत है जहां लाल आतंक नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद, विकास और 'वंदे मातरम्' की गूंज ही नयी पहचान है।

परिवार नियोजन में बड़ा नवाचार : 'अंतरा-एससी' अब महिलाओं के लिए होगा अधिक सुविधाजनक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- एक अप्रैल से प्रदेश के 19 जिलों में लॉन्च होगा 'अंतरा सब-क्यूटेनियस' पायलट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में परिवार नियोजन सेवाओं को अधिक सुलभ, आधुनिक और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। त्रैमासिक 'अंतरा' गर्भनिरोधक इंजेक्शन को अब एक नए और बेहतर रूप में प्रस्तुत किया गया है। एक अप्रैल को 'अंतरा सब-क्यूटेनियस (अंतराऽएससी)' का शुभारंभ पायलट कार्यक्रम के रूप में प्रदेश के 19 चयनित जिलों में किया जायेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह पहल परिवार नियोजन कार्यक्रम में नवाचार आधारित दृष्टिकोण को मजबूती देगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल ने बताया कि अंतराऽएससी का शुभारंभ प्रदेश में परिवार नियोजन सेवाओं को नई दिशा और विस्तार देगा। अब बास्केट ऑफ़ चॉइस में 09 विकल्प उपलब्ध होंगे। यह महिलाओं के लिए अधिक सरल, सुविधाजनक और प्रभावकारी है, हमारा लक्ष्य है कि हर महिला को सुरक्षित और सुविधाजनक गर्भनिरोधक विकल्प उपलब्ध हो। शुरुआती चरण में यह सुविधा अलीगढ़, लखनऊ, मेरठ और सहारनपुर मंडल के 19 जिलों की चयनित स्वास्थ्य इकाइयों में उपलब्ध होगी, जिससे महिलाओं को एक सरल, सुरक्षित और स्वयं-नियंत्रित गर्भनिरोधक विकल्प मिलेगा। संयुक्त निदेशक, परिवार नियोजन, डॉ. सुशील कुमार बनियान ने बताया कि परिवार नियोजन कार्यक्रमों की सफलता केवल विकल्प उपलब्ध कराने में नहीं, बल्कि उन्हें लोगों तक सरल और नियमित रूप से पहुंचाने में है। अंतराऽएससी इस चुनौती का व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करता है। इसका सरल डिजाइन और स्वयं-प्रशासन की सुविधा इसकी पहुंच और निरंतरता को मजबूत करेगी। परिवार नियोजन कार्यक्रम के महाप्रबंधक डॉ. सूर्यांशु ओझा ने बताया अंतरा-एससी एक प्री-फिल्ड, सिंगल-डोज गर्भनिरोधक इंजेक्शन है, जो एक बार लेने पर तीन माह तक प्रभावी सुरक्षा प्रदान करता है। इसे त्वचा के नीचे आसानी से लगाया जा सकता है, जिससे दर्द कम होता है। पारंपरिक अंतरा (इंट्रामस्कुलर) की तुलना में इसमें कम खुराक के साथ समान प्रभावशीलता है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन समन्वयक समिति के अध्यक्ष चुने गये

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष रमेश श्रीवास्तव एवं समाजसेवी शेखर श्रीवास्तव ने संयुक्त बयान में बताया कि आज लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों के कायस्थ चित्रांश संगठन के पदाधिकारी एवं प्रांतीय संगठन के पदाधिकारी व गणमान्य बिरादरी के लोगों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन को समन्वयक समिति का अध्यक्ष चुना गया। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के अध्यक्ष इंद्रसेन श्रीवास्तव एवं अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के अध्यक्ष संजीव वर्मा ने अंग वस्त्र एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि पूर्व आईएएस अधिकारी डी एन लाल ने इस प्रयास की सराहना की। मुख्य अतिथि आलोक रंजन ने विनम्रता से पद को स्वीकार किया एवं बिरादरी के नौजवानों से अपील किया की प्रशासनिक सेवा में ज्यादा से ज्यादा अपनी भागीदारी बढ़ाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त पूर्व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमल वर्मा ने कहा कि समाज के सभी लोगों को एकजुट होकर इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए बिरादरी के ज्यादातर लोगों की मदद करें। उक्त अवसर पर उपस्थित फाउंडर अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व सूचना आयुक्त वीरेंद्र सक्सेना ने कहा की सही व्यक्ति और सही दिशा में यह प्रयास है और उन्होंने बधाई दिया। इस अवसर पर स्वर्गीय विनोद बिहारी वर्मा के द्वारा चित्रांश की सेवा को भी याद किया गया उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ रमेश चंद्र श्रीवास्तव, सुबोध श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव,संतोष निगम, दीपक रंजन, अमित श्रीवास्तव त्यागी, अंशु, पुष्पेंद्र , देवेश, अरुण निगम, बालकेश्वर, विकास, रितु खरे, मिथिलेश, ममता , नकुल सक्सेना, इंदिरा नगर के राजेंद्र श्रीवास्तव, गोमती नगर के राजेश श्रीवास्तव, आवास विकास नगर केअतुल श्रीवास्तव , विक्रम नगर के मुनेंद्र श्रीवास्तव ,संगत, पंकज, मनोज लाल ,आरके श्रीवास्तव ,मोहित श्रीवास्तव, आनंद श्रीवास्तव, दिनेश खरे इत्यादि ।विभिन्न संगठनों के भारी संख्या में पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। राजनीतिक पार्टी से संबंध विभिन्न पार्टियों के कायस्थ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

महावीर जयंती पर सीएम ने दीं शुभकामनाएं, बोले, उनकी शिक्षाएं मानवता का मार्गदर्शन करती रहेंगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को महावीर जयंती के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि भगवान महावीर की शिक्षाएं मानवता का मार्गदर्शन करती रहेंगी। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की पावन जयंती की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और करुणा के शाश्वत सिद्धांतों से संपूर्ण विश्व को आलोकित करने वाली भगवान महावीर की शिक्षाएं मानवता के लिए अमर पाथेय हैं।

स्मार्ट मीटर से कटा बिजली कनेक्शन 2 घंटे में जुड़ेगा: रिया केजरीवाल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अगर आप स्मार्ट मीटर का यूज करते हैं तो आपके लिए राहत भरी खबर है। अब अगर आपके स्मार्ट मीटर पर बिजली कनेक्शन कट जाता है, तो उपभोक्ता द्वारा बिजली बिल जमा करने के दो घंटे के अंदर कनेक्शन दोबारा जोड़ दिया जाएगा। वहीं, बिजली बिल नेगेटिव में चला जाता है, तो उपभोक्ताओं को केवल 3 दिन का ही ग्रेस पीरियड दिया जाएगा। इसके लिए यूपीपीसीएल का स्मार्ट ऐप डाउनलोड करना होगा। इस ऐप के माध्यम से सारी जानकारी मिलेगी। ये बातें मगंलवार को लखनऊ में मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमवीवीएनएल) की एमडी रिया केजरीवाल ने कहीं। इसके अलावा उन्होंने स्मार्ट मीटर और वर्टिकल व्यवस्था में हो रहे कामों के बारे में बताया। स्मार्ट मीटर पर रीडिंग को लेकर आ रही समस्याओं पर उन्होंने कहा कि मध्यांचल की तरफ से 69 हजार चेक मीटर विभाग की तरफ से लगाया गया है,लेकिन एक भी मीटर में कोई डिफरेंस नहीं आया है। एमडी ने कहा कि स्मार्ट मीटर लोग तेजी से लगवा रहे हैं। इसमें कंज्यूमर की सुविधा के लिए कई फीचर्स हैं। समय के साथ में सभी चीजें बेहतर करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। इसमें ह्यूमन इंटरफ़ेस कम हुआ है।

गिरने के मामले में रुपये और भाजपा की छवि के बीच जबरदस्त मुकाबला हो रहा है: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर कटाक्ष करते हुए मंगलवार को कहा कि गिरने के मामले में रुपये और भाजपा की छवि के बीच जबरदस्त मुकाबला हो रहा है। लोकसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के नेता ने यह भी कहा कि जैसे-जैसे भाजपा नेताओं और उनके सहयोगियों से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और कदाचार के मामले सामने आ रहे हैं, पार्टी की छवि और खराब होती जा रही है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, गिरने के मामले में रुपये और भाजपा की छवि के बीच जबरदस्त मुकाबला चल रहा है। उन्होंने दावा किया, जैसे-जैसे भाजपाई लोगों के कांड-कुकर्मों और भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो रहा है, वैसे-वैसे भाजपा की छवि और नीचे गिरती जा रही है। यादव ने कहा, भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों के खुलासे तो हो रहे हैं, लेकिन इस्तीफ़े नहीं।

खाड़ी युद्ध के मद्देनजर देशभर में एलपीजी-पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनशिचत करें सरकार: मायावती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- मायावती का दावा–2027 में उत्तर प्रदेश में बनेगी बसपा की सरकार
- अपराधियों व बहुजन समाज का अपमान करने वालों को नहीं मिलेगा टिकट

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि इस समय अमेरिका-इजराइल और ईरान देशों के युद्ध के बीच केंद्र सरकार देशभर में एलपीजी-पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनश्चित करें। वस्तुओं की कीमतों पर भारी वृद्धि से 'गरीबी में आटा गीला होने' से उनकी परेशानियां कई गुना बढ़ गई हैं। इसके समाधान के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाना चाहिए।

बसपा प्रमुख मायावती मंगलवार को यहां पार्टी कार्यालय में पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थीं। उन्होंने कहा कि खाड़ी युद्ध की वजह से भारत में रसोई गैस, पेट्रोल और पेट्रोलियम पदार्थों आदि के संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण सभी प्रकार की वस्तुओं की कीमतों पर भारी वृद्धि हुई है। गरीब और मेहनतकश समाज के लोग जो पहले से ही संघर्ष कर रहे है इसकी वजह से 'गरीबी में आटा गीला होने' से उनकी परेशानियां कई गुना बढ़ गई हैं। इसके समाधान के लिए सरकार को लगातार प्रभावी कदम उठाना जरूरी है, ताकि देश की जनता को नोटबंदी और कोरोना महामारी जैसा संकट के एक और अभूतपूर्व दौर से गुजरना न पड़े। संगठन की इस बैठक में बसपा प्रमुखा ने निर्देशों और कार्यों की प्रगति रिपोर्ट का आकलन किया। बैठक में बसपा प्रमुख ने कहा कि देश व जनहित के प्रति सरकारी उदासीनता से त्रस्त करोड़ों की जनता काफी परेशान है और बसपा से उन्हें काफी उम्मीद है। इन उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा, लगन से कार्य करना होगा। इसमें लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में ज्वलंत राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी शामिल थी। बैठक में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष से उत्पन्न विभिन्न चुनौतियों पर भी विमर्श किया गया। इस पर बसपा प्रमुख ने सरकार से कहा है कि 'आत्मनिर्भरता' केवल एक लुभावना स्लोगन नहीं बल्कि इसकों पूरी तत्परता व ईमानदारी के साथ वास्तविकता में बदलना होगा। जिससे देश की जरूरत के साथ विकास में बाधक ईंधन आदि को लेकर हाहाकार को दूर करने के लिए सघन प्रयास जरूरी है। बसपा प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रीय और जनहित से जुड़े मामलों पर, सरकार के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि वह विपक्ष को विश्वास में लेकर सर्वसम्मति से दीर्घकालीन नीति पर कार्य करें। इसके साथ ही प्राइवेट सेक्टर पर अत्याधिक आश्रित होकर देश को स्वावलम्बी व आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है, इस पर भी गंभीरता से चिंतन जरूरी है। यूपी विधानसभा के अगले चुनाव को लेकर मायावती ने कहा कि आपराधिक तत्वों, दूसरी पार्टियों की तरह, कतई भी प्रश्रय नहीं दिया जाए। बसपा के कथनी व करनी में 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की विशिष्ट पहचान रखने वाली पार्टी होने के कारण पार्टियों के उम्मीदवारों की शार्टलिस्ट करते समय सर्वसमाज को उचित व समुचित प्रतिनिधित्व देने का भी सही से ख्याल रखने का निर्देश दिए। मायावती ने आरक्षण के मुद्दे पर सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि एससी-एसटी व ओबीसी समाज को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संविधान में दिए गये खासकर 'आरक्षण'के उनके अधिकार को जिस तरह केंद्र व राज्य सरकारें निष्प्रभावी बनाने में लगी है इसकी जितनी भी निंदा की जाए वो कम है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण में कमजोर वर्गों की महिलाओं को, इसमें अलगस से आरक्षण नहीं दिए जाने से क्या इन वर्गों को अपेक्षित विकास संभव हो पाएगा, यह सोचने वाली बात है और केंद्र सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि 14 अप्रैल को बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती है। पार्टी से जुड़े पदाधिकारी व कार्यकर्ता 18 मंडलों में बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

उत्तर प्रदेश में एमएसपी पर दलहन-तिलहन की खरीद 2 अप्रैल से होगी शुरू : कृषि मंत्री

- किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने हेतु सरकार की व्यापक खरीद रणनीति लागू
- चना, मसूर, सरसों व तूर की खरीद के लिए लक्ष्य निर्धारित, पारदर्शी व्यवस्था पर जोर
- डिजिटल प्रणाली और डीबीटी के माध्यम से किसानों को सीधे भुगतान सुनिश्चित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मंगलवार को लोक भवन स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेसवार्ता में रबी सीजन 2026-27 के लिए दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीद को लेकर विस्तृत रणनीति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने हेतु सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की प्रभावी व्यवस्था की गई है।

कृषि मंत्री ने बताया कि भारत सरकार से प्राप्त अनुमति के अनुसार प्रदेश में चना, मसूर, सरसों एवं तूर (अरहर) की खरीद 2 अप्रैल से 30 जून 2026 तक की अवधि में की जाएगी। इस दौरान चना का एमएसपी 5875 रूपये प्रति क्विंटल, मसूर 7000 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों 6200 रूपये प्रति क्विंटल तथा तूर 8000 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि चना के लिए 2.24 लाख मीट्रिक टन, मसूर के लिए 6.77 लाख मीट्रिक टन, सरसों के लिए 5.30 लाख मीट्रिक टन तथा तूर के लिए 1.14 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि क्रय प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने हेतु सभी क्रय केंद्रों पर आधार-सक्षम पीओएस मशीनें स्थापित की गई हैं, जिससे किसानों की पहचान सुनिश्चित करते हुए डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में भुगतान किया जाएगा। इस वर्ष कुल 190 से अधिक क्रय केंद्र स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है, जबकि राज्य स्तरीय एजेंसियां भी अपने स्तर पर अतिरिक्त केंद्र संचालित करेंगी। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश में कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृषि विभाग द्वारा लगभग 5700 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि विभिन्न योजनाओं पर व्यय की गई है, जो एक रिकॉर्ड उपलब्धि है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में सुधारात्मक प्रावधान लागू कर राज्य को 303 करोड़ रुपये की बचत भी हुई है। उन्होंने बताया कि किसानों को सशक्त बनाने हेतु बीज वितरण योजनाओं के तहत 11.25 लाख किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर बीज उपलब्ध कराया गया, जबकि 12.73 लाख किसानों को 54,847 क्विंटल बीज निःशुल्क वितरित किया गया। जायद फसलों के प्रोत्साहन हेतु इस वर्ष 31,950 क्विंटल बीज उपलब्ध कराया गया, जिसमें मूंगफली, उड़द एवं मूंग शामिल हैं। प्रेसवार्ता में बताया कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता है। वर्तमान में राज्य में 25.41 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। उर्वरकों का वितरण पीओएस मशीनों के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे पूरी प्रक्रिया डिजिटल एवं पारदर्शी बनी है। कृषि मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि प्रदेश में भारत रत्न चौधरी चरण सिंह सीड पार्क की स्थापना की जा रही है, जिसके लिए 50.84 करोड़ रुपये की प्रथम किस्त जारी की जा चुकी है। यह सीड पार्क प्रदेश को बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, फसलों की उचित कीमत सुनिश्चित करने एवं कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक किसान को योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से मिले। इस अवसर पर कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, कृषि निदेशक डॉ. पंकज त्रिपाठी तथा कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार में औद्योगिक क्रांति, 9 साल में 17 हजार से अधिक कारखाने पंजीकृत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- पिछले 70 वर्षों में प्रदेश में पंजीकृत हुए थे केवल 14 हजार कारखाने
- 16 लाख से अधिक लोगों को रोजगार, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से सामाजिक-आर्थिक बदलाव के संकेत

लखनऊ। योगी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में औद्योगिक विकास के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाई है। योगी सरकार के सुशासन, पारदर्शी नीतियों और दूरदर्शी नेतृत्व का ही असर है कि प्रदेश में अप्रैल 2017 से अब तक 17,841 नए कारखाने पंजीकृत किए गए हैं। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश के स्वतंत्र होने के बाद वर्ष 1947 से मार्च 2017 तक लगभग 70 वर्षों में प्रदेश में कुल 14,178 कारखाने ही पंजीकृत हो पाए थे। वर्तमान समय में प्रदेश में कुल पंजीकृत कारखानों की संख्या 32,019 तक पहुंच चुकी है। प्रमुख सचिव श्रम एवं रोजगार डॉ. एमके शनमुगा सुंदरम ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विजन प्रदेश को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाना है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' से सुधार, निवेश अनुकूल माहौल और पारदर्शी प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान दिया। साथ ही निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम, ऑनलाइन क्लीयरेंस, भूमि बैंक, बेहतर कानून-व्यवस्था और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी सुविधाएं विकसित कीं। यही वजह है कि देश-

विदेश के निवेशकों का भरोसा उत्तर प्रदेश पर बढ़ा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 17,841 कारखाने अप्रैल 2017 के बाद पंजीकृत हुए हैं, जो राज्य में औद्योगिक गतिविधियों की तेज रफ्तार को दर्शाते हैं। सिर्फ सितंबर 2023 से अब तक ही 10,194 कारखानों का पंजीकरण हुआ है, जबकि चालू वित्तीय वर्ष में 4,746 नए कारखाने जुड़े हैं। अप्रैल 2017 के बाद पंजीकृत इन कारखानों में वर्तमान में 16,53,179 लोग नौकरी कर रहे हैं। इनमें 15,29,907 पुरुष व 1,23,272 महिलाएं कार्यरत हैं। प्रमुख सचिव ने बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 10,895, मध्य उत्तर प्रदेश में 3,526, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 3,205 और बुंदेलखंड क्षेत्र में 215 कारखाने पंजीकृत किए गए हैं। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि योगी सरकार ने क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करते हुए हर क्षेत्र में उद्योगों को बढ़ावा दिया, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा हुए। इन कारखानों से प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ-साथ रोजगार सृजन भी तेजी से हुआ है। खास बात यह है कि कारखानों में कार्यरत महिलाओं की भागीदारी भी लगातार बढ़ रही है, जो प्रदेश में सामाजिक-आर्थिक बदलाव का संकेत है।

प्रदेश में 14,412 कारखाने ऐसे हैं, जिनमें 100 तक श्रमिक कार्यरत हैं जबकि 3,213 कारखानों में 101 से 1000 श्रमिक कार्यरत हैं। इसी तरह 118 बड़े कारखाने ऐसे हैं जिनमें 1000 से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं। यह संख्या दर्शाती है कि योगी सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई)के साथ-साथ बड़े उद्योगों को भी समान रूप से प्रोत्साहन दिया है। इससे प्रदेश की औद्योगिक संरचना मजबूत हुई है। बता दें कि औद्योगिक विकास में कानून-व्यवस्था की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। योगी सरकार ने इस क्षेत्र में सख्त कदम उठाते हुए प्रदेश में सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया, जिससे निवेशकों का विश्वास बढ़ा। इसके साथ ही एक्सप्रेसवे, डिफेंस कॉरिडोर, एयरपोर्ट और लॉजिस्टिक हब जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स ने उद्योगों को नई गति दी। इन प्रयासों का परिणाम यह है कि उत्तर प्रदेश अब सिर्फ कृषि प्रधान राज्य नहीं रहा, बल्कि तेजी से औद्योगिक राज्य के रूप में उभर रहा है। नए कारखानों ने न केवल रोजगार दिया, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत किया है। इससे प्रदेश के लाखों परिवारों की आजीविका सुरक्षित हुई है।

ला मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। ला मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज के जूनियर स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल रहा , जहां नन्हे विद्यार्थियों की मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन को सम्मानित किया गया। समारोह की शुरुआत लेडी प्रिंसिपल मिसेज ए. डैस के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे में विशेष प्रतिभा होती है, जिसे सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से निखारा जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि सच्ची सफलता केवल अच्छे अंकों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और समग्र विकास से मिलती है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रेप विभाग की पूर्व हेड मिसेज सैंड्रा कुक थीं। उन्होंने तीन दशकों तक अपनी सेवाएं दी। इसके बाद प्रेप विभाग के छात्रों को पुरस्कार वितरित किए गए। आई एम वंडरफुल गीत प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। जूनियर विभाग के विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान कई छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। एकांतिका सिंह ने पढ़ाई और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में कई पुरस्कार जीते।कक्षा एक की रूही जावरानी को सुमी मिश्रा अवॉर्ड, कक्षा दो की बुतूल फातिमा को गजल खन्ना अवॉर्ड और कक्षा तीन की वेदा गुप्ता को नीरा राणा मेडल प्रदान किया गया। कक्षा चार की मोशिता को माउवीन शॉ अवॉर्ड और सह-पाठ्यक्रम में उत्कृष्टता के लिए मंजू तिवारी अवॉर्ड से नवाजा गया। कक्षा पांच की विदिशा अग्रवाल को शालिनी पांडे स्कॉलरशिप मिली, जबकि हिबा ख्वाजा को जूनियर विभाग की सर्वश्रेष्ठ छात्रा के रूप में जी.के मलिक प्राइज से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में खेल, वाद-विवाद और क्विज में छात्रों की उपलब्धियों को दर्शाती एक वीडियो प्रस्तुति दिखाई गई, जिसने सभी को प्रेरित किया।

हरियावां ब्लॉक में विकास कार्यो का लोकार्पण, मंत्री नितिन अग्रवाल ने किया उद्घाटन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरियावाँ (हरदोई)। विकास खंड हरियावां परिसर में सोमवार, 30 मार्च 2026 को प्रात: 11:00 बजे भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री नितिन अग्रवाल ने शिरकत की।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री द्वारा नवीनीकृत ब्लॉक सभागार, नवनिर्मित ब्लॉक सामुदायिक केंद्र सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लोकार्पण किया गया। साथ ही क्षेत्र पंचायत बैठक भी आयोजित की गई। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख रामदयाल, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शशांक सिंह, खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) रत्नेश सिंहए जिला पंचायत सदस्य मीना वर्मा एवं सुरजीत वर्मा, प्रधान संघ अध्यक्ष रतीराम वर्मा की विशेष उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त निशांत सिंह सत्यम, प्रधान रामसेवक वर्मा, शरीफ, अमित अग्निहोत्री, सोमेश श्रीवास्तव, ओम प्रताप सिंह 'भोले' समेत क्षेत्र के समस्त प्रधान, बीडीसी सदस्य, क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, मीडियाकर्मी एवं पत्रकार बंधु बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम में ब्लॉक के समस्त कर्मचारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शशांक सिंह ने कहा कि हरियावां ब्लॉक में लगातार विकास कार्यों को गति दी जा रही है और शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित सामुदायिक केंद्र एवं सभागार क्षेत्र के लोगों के लिए उपयोगी साबित होंगे और इससे सामाजिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। वहीं मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गांव-गांव तक सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे विकास कार्यों से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने विकास कार्यों की सराहना करते हुए क्षेत्र की प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सवायजपुर (हरदोई)। उत्तर प्रदेश सरकार के सफलतम 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तहसील मुख्यालय सवायजपुर में मंगलवार को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह 'रानू' ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

इसके उपरांत तहसील सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों एवं उपस्थित क्षेत्रीय जनों से भेंट की तथा विभिन्न लाभार्थीओ विद्यार्थियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले कर्मियों को प्रमाण पत्र व मैडल दिए। विधायक रानू सिंह ने सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रहा है, जिससे आमजन के जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

■ विधायक ने कार्यक्रम को संबोधित कर प्रदर्शनी का किया अवलोकन

कार्यक्रम के दौरान उपजिलाधिकारी मयंक कुंडू, तहसीलदार विनोद कुमार, नायब तहसीलदार राजेश पटेल, खंड विकास अधिकारी हरपालपुर रणजीत सिंह, साण्डी की काजल सिंह एवं खंड शिक्षा अधिकारी डॉ० सुनील कुमार सिंह सहित ब्लॉक प्रमुख अनोखेलाल कश्यप, जिला पंचायत सदस्य राणा प्रताप सिंह हिमालय, श्याम सिंह शिवम तिवारी समेत क्षेत्र के प्रधान व गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे और सरकार की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

कोथावा चौकी इंचार्ज ने चलाया सघन वाहन चेकिंग अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कोथावाँ (हरदोई)। बेनीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कोथावा चौकी इंचार्ज ने बिना हेलमेट सड़कों पर फर्राटे भर रहे वाहन स्वामियों व तीन सवारी बैठाकर चलने वालों पर सख्ती दिखाते हुए कोथावां चौकी प्रभारी भूपेन्द्र सिंह ने सघन चेकिंग अभियान चलाया।बिना हेलमेट सड़कों पर फर्राटे भर रहे तीन दर्जन से अधिक वाहनों का चालान काटा वहीं करीब दो दर्जन से अधिक वाहन स्वामियों को हिदायत देकर भविष्य में मोटर वेहकिल्स नियमों का पालन करने को कहा। प्रशासन की तरफ से लगातार काफी प्रयास करने के बावजूद भी लोग आए दिन नशे की हालत में व मोटर वेहकिल्स नियमों के उल्लंघन के कारण आए दिन जिले में भीषण दुर्घटनाएं हो रही है कोई अपना भाई तो कोई अपना बेटा गवा रहा है तो कोई अपना पति वहीं क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि जिले में आए दिन भीषण एक्सीडेंट की घटनाएं हो रही है अब सड़क पर चलते वक्त मन में भय का माहौल ही बना रहता है और लोग सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं कुछ क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि कुछ ट्रैक्टरों में लोग डीजे साउंड लगाए हुए हैं और सड़क पर चलते वक्त हाई वॉल्यूम का प्रयोग करते हैं जिससे साइड मांगने में काफी समस्या होती है और दुर्घटना होने की लगातार शंका बनी रहती है इस पर पुलिस प्रशासन को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है साथ ही क्षेत्रीय लोगों ने यह भी बताया कि क्षेत्र में लोग बगैर ड्राइविंग लाइसेंस नशे की हलत में गाड़ी चलाने वालों की क्षेत्र में काफी संख्या बढ़ी हुई है प्रशासन को चाहिए कि मोटर वेहकिल्स अधिनियम के नियमों को और कड़ाई से पालन कराया जाए जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आ सके और लोग सुरक्षित अपने घर पहुंच सके।

गांव में आग लगने से गृहस्थी खाक वृद्ध महिला की मौत

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के ग्राम मगरहा में अज्ञात

कारणों के चलते छप्पर के बंगले में आग लगने से एक वृद्धा गोमती (75) पत्नी करन की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। वहीं रामसनेही रामचेला के तीन पंप सेट एक ट्रैक्टर तीन भैंसें पर्चून की लकड़ी की दुकान उसमें रखा हुआ हजारों रुपए का सामान तथा घर गृहस्ती का सामान भी जलकर खाक हो गया। आग की लपटें देखकर पड़ोस में रह रहे ग्राम प्रधान सुरेश राजपूत ने मौके पर अपना समर सेबल चला कर ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची वहीं स्थानीय थाना प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत पांडे ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया इस दौरान वहां के स्थानीय सामाजिक लोग भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक गोमती के शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेजा। खबर लिखे जाने तक राजस्व विभाग का कोई भी कर्मचारी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा था।

किसान की जमीन पर दबंगो ने किया अवैध कब्जा

अरवल (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ग्राम बानामऊ में किसान की पैमाइश की हुई जमीन पर गांव के ही कुछ दबंगों ने दोबारा अवैध कब्जा कर लिया। विरोध करने पर पीड़ित किसान को जान से मारने की धमकी दी गई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम बानामऊ निवासी लल्लन बाबू यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी गाटा संख्या 688/0.2000 की भूमि पर पूर्व में राजस्व टीम और पुलिस बल की मौजूदगी में पैमाइश कराकर उन्हें कब्जा दिलाया गया था। आरोप है कि गांव के ही रतीभान, उदयभान, सूरजभान, विजयभान सहित करीब 10 लोगों ने अपनी दबंगई के बल पर जमीन पर फिर से कब्जा कर लिया। पीड़ित का कहना है कि बीते 19 मार्च को जब वह अपने खेत की ओर जा रहे थेए तब विपक्षी गणों ने उन्हें घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए जान-माल की धमकी दी।जिससे पीड़ित का परिवार डरा हुआ है। पीड़ित की शिकायत पर अरवल थाना पुलिस ने सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली। थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आगे विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

अश्लील टिप्पणी करने वाले युवक को किया गिरफ्तार

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अरवल थाना पुलिस ने राह चलती महिलाओं को परेशान करने और उन पर अश्लील टिप्पणी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसारएअरवल थाने की महिला उपनिरीक्षक दीक्षा कटियार को सोमवार को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि चमरौधा गांव में एक युवक सफेद टी.शर्ट और काली पैंट पहनकर आने-जाने वाली महिलाओं के साथ अभद्रता कर रहा है। सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर युवक की गतिविधियों की पुष्टि की और घेराबंदी कर उसे रंगे हाथ दबोच लिया। पकड़े गए युवक की पहचान बारामऊ निवासी आलोक कुमा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धारा अभियोग दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है।

विवाद में महिला के साथ लाठी-डण्डो से की मारपीट

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना अरवल के श्रीमऊ में जमीन के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में एक महिला के साथ लाठी-डंडों से मारपीट का घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर गांव के ही पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। जानकारी के अनुसार, श्रीमऊ निवासी शालू

(26) पत्नी ओमप्रताप ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते 29 मार्च की शाम वह परिवार के सदस्यों के साथ जमीन बंटवारे पर चर्चा कर रही थी। इसी दौरान कहासुनी होने पर विपक्षी प्रवीण प्रतापए भानू प्रताप सहित अन्य लोगों ने उसे घेर लिया और लाठी-डंडों व लात.घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। शोर सुनकर आए पड़ोसियों ने बीच-बचाव कर पीड़िता की जान बचाई। जाते समय आरोपी उसे जान से मारने की धमकी दे गए। थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

भगवान राम पर अभद्र टिप्पणी करने वाला हुआ जमानत पर रिहा, समर्थकों ने जश्न में जाम की सड़के

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जेल से रिहाई के बाद शहर में जश्न मनाना और भाषणबाजी करना, यदुनन्दन सहित कुछ लोगों को भारी पड़ गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए यदुनंदन लाल वर्मा, भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष रितेश पासी समेत पांच नामजद तथा करीब 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हाल ही में एक नेता की जेल से रिहाई के बाद उनके समर्थकों द्वारा शहर में जुलूस जैसा माहौल बनाया गया। इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई और सार्वजनिक स्थानों पर भाषणबाजी भी हुई। बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति उत्पन्न हो गई। बताया जा रहा है कि बिना अनुमति इस तरह का आयोजन किया गया, जिसमें कोविड नियमों एवं प्रशासनिक निर्देशों की भी अनदेखी की गई। मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए भीड़ को नियंत्रित किया, लेकिन घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद यदुनंदन लाल वर्माए रितेश पासी सहित पांच लोगों को नामजद करते हुए करीब 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि इन लोगों ने सार्वजनिक शांति भंग करनेए बिना अनुमति भीड़ एकत्र करने और उकसावे वाली गतिविधियों में हिस्सा लिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रितेश पासी को गिरफ्तारी कर लिया है! धिकारियों का कहना है कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात आरोपियों की पहचान कर उन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार के आयोजन से पहले प्रशासन की अनुमति अवश्य लें और कानून का पालन करें अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई कार चालक की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई से कार चालक की मौत हो गयी है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये भेजा। थाना क्षेत्र के कटरा-बिल्हौर हाइवे पर शेखनपुर पश्चिमी गाँव के पास कार पेड़ से टकराने की सूचना पुलिस को मिली। राहगीरों की सूचना पर पहुचीं बिलग्राम पुलिस ने गंभीर रूप से घायल कार सवार अफजल (30) पुत्र जमील खान निवासी गाँव रहुला बिलग्राम कोतवाली सीएचसी ले गयी। जहाँ डाक्टर अरुण मोहन ने मृत घोषित कर दिया है। अफजल अपनी कार से मंगलवार की सुबह साढ़े तीन बजे माधौगंज होते हुए बालामऊ जा रहे थे। थाना क्षेत्र के गाँव शेखनपुर पश्चिमी में अचानक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गयी। मृतक का एक तीन साल का बच्चा है पत्नी का रो-रो कर बुरा हाल है।

भाजपा कार्यकर्ता ने पुलिस पर लगाया रिश्वत लेने का आरोप

थाना परिसर में खड़ी खनन में लगी जेसीबी मशीन फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। क्षेत्र में एक भाजपा कार्यकर्ता ने क्षेत्रीय पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए उसकी कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े किए है! उनका कहना है कि एक मामले में पुलिस ने उनसे मोटी रकम लेकर मामले को रफा-दफा कर दिया था लेकिन मामले में जब भाजपा के एक पदाधिकारी में रिश्वत लेने पर पुलिस का विरोध किया तो पुलिस ने कानून का हवाला देते हुए कार्यवाही कर दी! भाजपा कार्यकर्ता ने खुलकर कहा कि क्षेत्र में कानून का राज कमजोर पड़ता दिख रहा है और पुलिस की कार्यशाली से आम जनता में आक्रोश बढ़ रहा है!

थाना क्षेत्र के अंतर्गत दलेलनगर नगर (समोधा) निवासी भाजपा शक्ति केंद्र संयोजक इक़बाल गाजी ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि सोमवार रात बख्शाखेड़ा स्थित उनकी निजी ज़मीन पर बेसमेंट की खुदाई के काम में लगी जेसीबी मशीन को पुलिस ने अवैध बताकर जबरदस्ती मौके से पकड़ लिया और काम रुकवाकर मशीन थाने ले गई! बाद में रिश्वत की मोटी रकम सत्ताइस हजार रुपये वसूलने के बाद में जेसीबी को छोड़ दिया गया! जिसके बाद भाजपा मण्डल अध्यक्ष मयंक सिंह ने रिश्वत लेने का विरोध किया! जिससे नाराज पुलिस कर्मियों ने पुनः जेसीबी को थाने लाकर सीज कर दिया और घूस की रकम जेसीबी ड्राइवर को वापस कर दी! जिसके बाद भाजपा मंडल अध्यक्ष द्वारा मामला पुलिस के उच्च अधिकारियों तक पहुंचा उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष कार्रवाई के लिए जांच टीम गठित कर जाँच शुरू करा दी है! वहीं इस मामले के बाद स्थानीय सियासत भी गरमा गई है! मामले के तूल पकड़ने से पुलिस की छवि पर असर पड़ना शुरू हो गया है! प्रकरण के संबंध में थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि जेसीबी मशीन में नंबर प्लेट नहीं थी और न तो ड्राइवर के पास मशीन के कोई कागज उपलब्ध है! बिना किसी परमीशन अवैध रूप खनन कर रही मशीन की सूचना उप जिलाधिकारी संडीला को दी गई जिनके निर्देश पर जेसीबी मशीन को जब्त कर सीज कर खनन विभाग के अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है! जबकि उनके ऊपर लगाए गए सारे आरोप निराधार हैं पुलिस अपना काम निष्पक्षता के साथ कर रही है अगर किसी के पास कोई ठोस साक्ष्य हैं तो उन्हें प्रस्तुत करे!

अंधेरे से उजाले की ओर: समाजसेविका की पहल से जगमग हुआ गांव

राष्ट्रीय प्रस्तावना

साण्डी (हरदोई)। विकासखंड के बरनई गांव में कृष्णा कुमारी सेवा संस्थान की संचालिका एवं समाज सेविका शालिनी सिंह ने गांव में लंबे समय से व्याप्त अँधेरे की समस्या को दूर करने की सराहनीय पहन की गई! उनके प्रयासों से गांव के मुख्य स्थानों पर हाई मास्क लाइटें स्थापित कराई गईं! जिससे गांव की अंधेरी गलियों में रोशनी फैल गई और लोगों को बहुत राहत मिली!

बताया जाता है कि गांव के लोग काफी समय से रात के अंधेरे में आवागमान और सुरक्षा को लेकर परेशान थे! इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए समाज सेविका ने आगे बढ़कर 10 हाई मास्क लाइटों की व्यवस्था करवाई! लाइट से लगने के बाद गांव की गालियां और चौराहे जगमग नजर आए! इस प्रयास से ग्रामीणों को सुरक्षा का एहसास हुआ! वहीं बच्चों और महिलाओं को भी काफी सुविधा मिली है! समाजसेविका का ग्रामीणों ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह गांव विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है! इस अवसर पर समाजसेविका शालिनी सिंह ने कहा की उनका उद्देश्य गांव क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है और आगे भी इसी तरह के जनहित के कार्य किए जाते रहेंगे!

राजकीय महाविद्यालय पिहानी में NSS का सप्त दिवसीय विशेष शिविर संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। विकास खंड स्थित राजकीय महाविद्यालय पिहानी हरदोई की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय दिन-रात्रि विशेष शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह शिविर 25 मार्च से 31 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया जिसमें स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न सामाजिक शैक्षिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रम संपन्न किए। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान संघ पिहानी के अध्यक्ष एवं कुइयां ग्राम सभा के प्रधान मेवाराम राठौर उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान करीमनगर मेहंदी हसन ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे शिविर युवाओं में नेतृत्व क्षमता अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करते हैं तथा समाज सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० लक्ष्मी नारायण के नेतृत्व में शिविर के दौरान आयोजित गतिविधियों की जानकारी दी गई। शिविर के अंतर्गत स्वच्छता अभियान स्वास्थ्य जागरूकता नशा मुक्ति अभियान पर्यावरण संरक्षण योगाभ्यास एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर डॉ० दयाल शरण असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र साई कुमार मिश्र सहायक अध्यापक सत्यपाल शिव मोहन सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै अनुराग मिश्र पुत्र श्री राम मिलन मिश्र, पता:- ग्राम कोट सधिनावाँ, पोस्ट-उचवल, जिला-हरदोई उ0प्र0, पिन नं0-241405 का निवासी हूँ। मेरा वर्ष 2021 की एम0ए0 शिक्षाशास्त्र, हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड की डिग्री वास्तव में कहीं गिर गई है।

मो0-9140790465

नेपाल में नया युग

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में जेन जी (नयी पीढ़ी) आंदोलन से हुई बड़ी राजनैतिक उथल-पुथल के बाद सत्ता के नए युवा युग की शुरुआत हुई है। 35 बरस के बालेन शाह ने नेपाल के अब तक के सबसे युवा प्रधानमंत्री के तौर पर शुक्रवार को शपथ ली। रैपर-गायक के तौर पर नेपाल के युवाओं में खासे लोकप्रिय रहे बालेन शाह चार बरस पहले 2022 में काठमांडू के मेयर नियुक्त हुए थे, अब उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को हाल ही में हुए चुनाव में लगभग दो-तिहाई बहुमत मिला, जो यह जाहिर करता है कि नेपाल में अब राजनीति का युवा दौर आ चुका है। बालेन शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को उनके ही गढ़ झापा में तगड़ी मात देकर बता दिया था कि जेन जी ने अब नेपाल की कमान अपने हाथों में ले ली है। इससे पहले बांग्लादेश में भी छात्र आंदोलन से ही राजनैतिक उथल-पुथल मची थी, लेकिन वहां अस्थिरता और अशांति का दौर कुछ लंबा खिंचा और अब तारिक रहमान के नए नेतृत्व में फिलहाल भारत से संबंध सुधरते दिख रहे हैं। अब नजरें नेपाल के नए नेतृत्व पर हैं। दरअसल समृद्ध और विकास की ओर बढ़ते पड़ोसी देशों से भारत का विकास और सुरक्षा भी जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान से तो भारत के संबंधों में तल्खी और अविश्वास बने ही रहते हैं, इसलिए जरूरी है कि नेपाल और बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध मजबूत रहें और उन्हें चीन के प्रभाव में न आने दिया जाए। इसके लिए भारत को अभी से मजबूत रणनीति बनानी होगी। ध्यान देने की बात है, राजशाही के बाद नेपाल में बनी तमाम सरकारें कमोबेश चीन के प्रभाव में रही हैं। नेपाल का चीन के साथ होने में कोई आपत्ति नहीं, लेकिन फिर उस वजह से भारत का विरोध नहीं होना चाहिए। यह एक हिंदू बहुल देश है, जिससे भारत से रोटी-बेटी के संबंध सदियों पुराने हैं। वैसे नेपाल में बालेन शाह ने ऐसे वक्त में सत्ता संभाली है, जब पूरी दुनिया पर मध्यपूर्व में चल रही जंग का असर दिखने लगा है। तेल की कीमतों में आग लगी हुई है और खाड़ी देशों में रोजगार के अवसर अब काफी घट गए हैं। नेपाल से बड़ी संख्या में लोग रोजगार के लिए इन देशों में जाते हैं, लेकिन अब वे लौटेंगे तो इन लोगों को देश में ही रोजगार देना बहुत बड़ी चुनौती रहेगी। आंकड़े बताते हैं कि हर दिन करीब 2,900 नेपाली काम के लिए विदेश जाते हैं और उनका भेजा पैसा देश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। यह पैसा नेपाल के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 26 फीसदी से अधिक है। इसके अलावा भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और अक्षम प्रशासन को सुधारना भी बालेन शाह सरकार के सामने प्रमुख चुनौतियां रहेंगी। क्योंकि इन्हीं कारणों से ही युवाओं की नाराजगी सत्ता के खिलाफ फूटी थी और जेन जी आंदोलन खड़ा हुआ था। बालेन शाह अगर इस मोर्चे पर आधे भी कामयाब होते हैं, तो नेपाल गरीबी और अभाव के दलदल से बाहर निकलने लगेगा। नयी सरकार के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती राजनैतिक स्थिरता कायम करने की है। तीन करोड़ लोगों के इस देश में राजशाही खत्म होने के बाद से राजनीतिक स्थिरता लाने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन अब तक कामयाबी नहीं मिली। बल्कि राजशाही के दौर में भी सरकारों के बदलने का सिलसिला जारी था। ध्यान रहे कि 1990 से 2026 के बीच 32 सरकारें नेपाल की सत्ता में आई और किसी भी सरकार ने अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया है। बालेन शाह ने अगर प्रधानमंत्री के रूप में अपनी सरकार को पांच साल बनाए रखा, तो यह वाकई युगांतकारी घटना होगी। शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा था कि वह नैतिकता और सुशासन को प्राथमिकता देगा और ऑनलाइन माध्यम से सेवाएं देने का वादा किया था। इसके अलावा पार्टी ने कहा है कि वह देश की संरचना में पक्षपात खत्म करेगी। अब इन घोषणाओं पर कब तक अमल होता है, इस पर नेपाल की जनता निगाह रखेगी ही। वैसे प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद बालेन शाह की अध्यक्षता में हुई पहली कैबिनेट बैठक में फैसला लिया गया कि आंदोलन में मारे गए मृतक छात्रों के परिजनों को सरकारी नौकरी दी जाएगी, ताकि उनके परिवारों को आर्थिक सहारा मिल सके। इस पर काम भी शुरु हो गया है।

रैपर-गायक के तौर पर नेपाल के युवाओं में खासे लोकप्रिय रहे बालेन शाह चार बरस पहले 2022 में काठमांडू के मेयर नियुक्त हुए थे, अब उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को हाल ही में हुए चुनाव में लगभग दो-तिहाई बहुमत मिला, जो यह जाहिर करता है कि नेपाल में अब राजनीति का युवा दौर आ चुका है। बालेन शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को उनके ही गढ़ झापा में तगड़ी मात देकर बता दिया था कि जेन जी ने अब नेपाल की कमान अपने हाथों में ले ली है। इससे पहले बांग्लादेश में भी छात्र आंदोलन से ही राजनैतिक उथल-पुथल मची थी, लेकिन वहां अस्थिरता और अशांति का दौर कुछ लंबा खिंचा और अब तारिक रहमान के नए नेतृत्व में फिलहाल भारत से संबंध सुधरते दिख रहे हैं।

मोदी पर व्यक्तिगत प्रहार टिकेगा नहीं

विक्रम उपाध्याय

विपक्ष के कुछ बड़े नेता पहले भी कुछ विदेशी ताकतों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ निजता भंग करने के आरोप लगाते रहे हैं, उनमें ही एक आरोप प्रयास पेगासस स्पाइवेयर के इस्तेमाल के जरिए जासूसी करने का भी रहा, मामला उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) तक गया। वहां विरोधियों की दाल नहीं गली, और वे झटका खा कर लौट आए। वर्तमान सरकार के मुखिया विपक्ष के नेताओं से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, यह बात आम लोगों को भी हास्यास्पद लगी।

जब पूरी दुनिया अपने अस्तित्व पर चुनौती महसूस कर बचाव के लिए संघर्ष करने में लगी है, तो भारत में अस्तित्वहीन पड़ा विपक्ष अपने लिए इस संकट की घड़ी को सत्ता में लौटने का एक अवसर मान रहा है। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की जंग में जब हर देश में राजनीतिक रूप से पक्ष विपक्ष एक टेबल पर बैठ कर चुनौतियों से पार पाने का दम भर रहा है, तो भारत में विपक्ष और विरोधियों की ओर से सरकार के मुखिया पर सबसे भीषण प्रहार किया जा रहा है, केवल नीतिगत ही नहीं, व्यतिगत रूप से भी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमा और विश्वसनीयता को चोट पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। एक तरफ उन्हें कमजोर प्रधानमंत्री ठहराने का एक बड़ा अभियान शुरू किया गया है, तो दूसरी तरफ उनके व्यक्तित्व और आचरण को ही तार-तार करने का षड्यंत्र रचा रहा है। वैसे ही जैसे 2013 में कोबरापोस्ट और गुलेल द्वारा किसी नारी की निजता भंग करने के आरोप के सहारे मोदी की छवि बिगाड़ने का एक प्रयास किया गया था। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी बिना विचलित हुए ईरान और अरब दोनों के साथ अद्भुत सामंजस्य बिठाते हुए, केवल भारतीयों की सुरक्षा और देश की ऊर्जा संरक्षता के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं। विपक्ष के कुछ बड़े नेता पहले भी कुछ विदेशी ताकतों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ निजता भंग करने के आरोप लगाते रहे हैं, उनमें ही एक आरोप प्रयास पेगासस स्पाइवेयर के इस्तेमाल के जरिए जासूसी करने का भी रहा, मामला उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) तक गया। वहां विरोधियों की दाल नहीं गली, और वे झटका खा कर लौट आए। वर्तमान सरकार के मुखिया विपक्ष के नेताओं से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, यह बात आम लोगों को भी हास्यास्पद लगी। विपक्ष में इस समय कोई ऐसा नेता नहीं है, जो प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत छवि पर दाग लगाने और जनता में उसकी विश्वसनीयता स्थापित करने का माद्दा रखता है। कारण केवल यह नहीं कि विपक्ष के किसी नेता की इतनी हैसियत नहीं है एक राजनीतिज्ञ के नाते नरेन्द्र मोदी द्वारा स्थापित अपने सार्वजनिक जीवन के मानदंड पर उंगली उठा सके, बल्कि मोदी की जीवनशैली ऐसी रही है, कि वहां किसी तरह की कोई शंका की गुंजाइश ही नहीं बनती है। मोदी जब सत्ता की राजनीति के नायक बने तब उम्र की 50 वीं दहलीज पार कर चुके थे। उसके पहले वे या तो संघ के काम में देश भर के संघ कार्यालयों में रहे या फिर भाजपा की व्यवस्था में। निजी जिंदगी और निजता के संरक्षण का कोई विकल्प भी अपने लिए नहीं चुना। मीडिया में भी सुब्रमण्यम स्वामी को छोड़कर किसी और राजनीतिज्ञ ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में अनर्गल टिप्पणी नहीं की। स्वामी ने तो अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में भी कई ऐसी टिप्पणियां की हैं और इसके कारण ही उन्होंने एक गंभीर राजनेता की पहचान खो दी है। प्रधानमंत्री मोदी लगभग 25 वर्षों से विपक्ष के लिए एक बड़ी समस्या बने हुए हैं। काम के मामले में कोई उन्हें चुनौती दे नहीं पा रहा है। राजनीति के मैदान में वे विपक्ष की पकड़ से बहुत आगे निकल गए हैं। इसीलिए विरोधी राजनतिक पार्टियां जनता में मोदी के प्रति बनी धारणा को ही कमजोर करने की जरूरत शिद्दत के साथ महसूस कर रही हैं। कांग्रेस का नेतृत्व चुनावी मुकाबले में कमजोर और अक्षम सिद्ध हो चुका है। प्रधानमंत्री के साथ विकास के मुद्दे पर कांग्रेस बहस से भी बचती है। जनता से किये हर वादे पर भी मोदी खरे उतरते हैं। हर भारतीय को मोदी सरकार के कारण अपने अपने जीवन में कोई ठोस सुधार दिखाई देता है। 12 साल के केंद्र में शासन में किसी भ्रष्टाचार या घोटाला का नाम तक नहीं आया। इसलिए ही मोदी की व्यक्तिगत छवि पर लगातार हमले की रणनीति पर विपक्ष अब काम कर रहा है और मोदी के जीवन के कुछ पहलुओं को बुरा दिखाने का प्रयास कर रहा है, ताकि लोगों के मन में कुछ सवाल पैदा कर सके। पर वे शायद भूल रहे हैं कि उनके इस बचकाने रवैये से उनकी थोड़ी-बहुत साख जो बची है उसे भी गंवा बैठेंगे। कांग्रेस के रणनीतिकारों ने देश-विदेश के अपने सलाहकारों से मंत्रणा करने के बाद शायद यह तय कर लिया है कि मोदी को कमजोर करने के लिए एंटी परसेप्शन मैनेजमेंट पर ही सारा जोर देना होगा और सोशल मीडिया के जरिए उनकी व्यक्तिगत छवि पर आघात करना होगा। कांग्रेस के लिए यह रणनीति कितना काम करेगी यह तो आने वाला ही समय बताएगा, लेकिन ग्रामीण मतदाताओं के बीच इस मुकाबले को ले जाने की चुनौती बहुत बड़ी होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रामीणों को आर्थिक सहायता देने के मामले में कांग्रेस से बहुत ज्यादा बेहतर तरीके से काम किया है और प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता इसी से सबसे ज्यादा स्थापित भी हुई है। वहां भाजपा की छवि धूमिल करना कांग्रेस के लिए टेढ़ी खीर साबित होगी। कांग्रेस के अपने पास मोदी पर व्यक्तिगत लांछन लगाने वाले विश्वसनीय चेहरे भी नहीं हैं, क्योंकि महिलाओं के प्रति कांग्रेस नेताओं के दुर्व्यवहार और जहरीले बोल की एक लंबी फ़ेहरिस्त है। पीछे की छोड़िए वर्तमान के ही कई कांग्रेसी नेता महिलाओं के मान मर्दन के आरोपी हैं। नाम लीजिए राहुल गांधी के करीबी रणदीप सुरजेवाला का, उन्होंने भाजपा सांसद हेमा मालिनी के राजनीतिक योगदान पर अभद्र टिप्पणी की थी। नाम लीजिए कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत का, उन्होंने 2024 के आम चुनाव के दौरान हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत का भाव पूछ लिया था। कर्नाटक के एक कांग्रेस नेता ने महिलाओं को घर पर खाना बनाने तक ही रखने की सलाह दे डाली थी। बंगाल के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने तो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भी नहीं बख्शा, उन्हें राष्ट्रपत्नी बना डाला। कांग्रेस की एक पूर्व नेता चेरियन फिलिप ने तो यहां तक कह दिया था कि कांग्रेस के टिकट यौन लाभ के बदले भी दिए जाते थे। अब मधु किश्वर के सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के बारे में एक सनसनी रिपोर्ट प्रकाशित किये जाने पर विपक्ष के नेता फूले नहीं समा रहे हैं। कांग्रेस महिला मोर्चा की नेता अलका लांबा हों या तृणमूल कांग्रेस की मोईया मित्रा सबने अपने-अपने तरीके से मोदी के बारे में भ्रामक जानकारी फैलाने का सिलसिला शुरू कर दिया। अब मीडिया वाले ही बता रहे हैं कि मधु किश्वर पहले भी कई गलत या भ्रामक पोस्ट कर चुकी हैं। जाहिर है कांग्रेस का उद्देश्य बिना किसी पूर्ण शोध के जंगल की आग की तरह भ्रम फैलाना है। कांग्रेस पहले भी ब्लैक लाइव्स मैटर की तरह देश में जाति आधारित आंदोलन को, काले कानून के नाम पर किसानों के आंदोलन को और कोविड के दौरान एंटी-लॉकडाउन प्रोटेस्ट को हवा देकर प्रधानमंत्री मोदी को कमजोर करने की कोशिश कर चुकी है। यह बात अलग है कि इसमें वह विफल रही। दुनिया प्रधानमंत्री मोदी के अनुशासन की कायल है। उनके बारे में यह लोगों को पता है कि वे शायद अकेले नेता हैं जो खरी-खरी कहने और किसी की भी अक्षमता पर उसकी आलोचना करने से नहीं हिचकते। उनका सीधा सिद्धांत है -काम करो नहीं तो बाहर निकलो। वे समय के बहुत पाबंद और बहुत व्यवस्थित नेता हैं। उनमें औरों की तरह अमीर बनने का जुनून नहीं है। वह मीडिया को भी खुश करने की कोशिश नहीं करते। वह बहुत कम लोगों पर भरोसा करते हैं। उनके करीबी साथियों की भी संख्या कम है। इसलिए उनके राजदार भी कम है। उनकी मं के अलावा उनके किसी दोस्त या रिश्तेदार को प्रधानमंत्री आवास में नहीं देखा गया, इसलिए मोदी पर व्यक्तिगत लांछन लगाना और उसे सिद्ध करना संभव नहीं है।

मूर्ख दिवसः तनाव भरे दौर में मुस्कान का पर्व

मूर्ख दिवस (1 अप्रैल) पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक 'प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने 'स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं। मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था। जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है।

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'मूर्ख दिवस' साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है। यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक 'प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने 'स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं। मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था। जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है। हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मजाक की सीमा शालीनता और संवेदनशीलता के भीतर ही होनी चाहिए। किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमान करने या नुकसान पहुंचाने वाला मजाक इस दिवस की भावना के विपरीत है। मूर्ख दिवस का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं बल्कि सबको साथ लेकर हंसना और खुशियां बांटना है। वास्तव में, शुद्ध हास्य न केवल मानसिक तनाव को कम करता है बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाता है। यह मन में सकारात्मकता और भाईचारे की भावना का संचार करता है। ऐसे में मूर्ख दिवस आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। अंततः कहा जा सकता है कि मूर्ख दिवस केवल मजाक का दिन नहीं बल्कि जीवन में खुशियों के छोटे-छोटे पल तलाशने और उन्हें साझा करने का उत्सव है। यदि इसे शालीनता और सद्भाव के साथ मनाया जाए तो यह दिन सचमुच हंसी के अनमोल पलों से जीवन को सराबोर कर सकता है।

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

ललित गर्ग

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है।

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है। भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है। माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।

लाखों की सोलर पानी टंकियां बनी शोपीस, गर्मी में प्यासे नगरवासी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ। नगर पालिका परिषद द्वारा शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर में लाखों रुपये खर्च कर स्थापित की गई सोलर आधारित पानी की टंकियां वर्षों से खराब पड़ी हैं। भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत देने वाली यह योजना अब लापरवाही और कथित भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। आक्रोशित नागरिकों ने मामले में भारी कमीशनखोरी का आरोप लगाते हुए जिला अधिकारी से जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गौरतलब है कि नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख चौराहों तथा भीड़भाड़ वाले इलाकों में राहगीरों, विद्यार्थियों, मजदूरों और दुकानदारों को ठंडा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सोलर आधारित टंकियां लगाई गई थीं। इस महत्वाकांक्षी योजना पर लाखों रुपये खर्च किए गए थे, लेकिन शुरूआत के कुछ ही समय बाद अधिकांश टंकियां खराब हो गईं और योजना दम तोड़ती नजर आई।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि योजना के क्रियान्वयन में भारी कमीशनखोरी हुई, जिसके चलते ठेकेदार द्वारा घटिया गुणवत्ता के सोलर पैनल, फिल्टर सिस्टम और कूलिंग यूनिट लगाए गए। यही कारण रहा कि कई टंकियां लगते ही बंद हो गईं। इसके बाद उनकी मरम्मत कराने के लिए न तो कोई ठोस कदम उठाया गया और न ही जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर ध्यान दिया।

नागरिकों के अनुसार वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समेत नगर के कई स्थानों पर ये टंकियां बंद पड़ी हैं और केवल दिखावे का साधन बनकर रह गई हैं। गर्मी का मौसम शुरू होते ही इनकी उपयोगिता और बढ़ जाती है, लेकिन संबंधित अधिकारी पूरी तरह उदासीन बने हुए हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आक्रोशित लोगों ने जिला अधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषी अधिकारियों व संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने तथा सभी खराब पड़ी सोलर पेयजल टंकियों को शीघ्र दुरुस्त कर पुनः चालू कराने की मांग की है, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

होली-ईद मिलन समारोह 2 अप्रैल को, गंगा-जमुनी तहजीब का दिखेगा संगम

बांगरमऊ। नगर में गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश करने के उद्देश्य से पूर्व समाजवादी पार्टी विधायक बदलू खान द्वारा भव्य होली एवं ईद मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आगामी 2 अप्रैल, गुरुवार को लखनऊ रोड स्थित अप्सरा मैरिज लॉन में अपराह्न 11 बजे से आयोजित होगा। आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। समारोह में समाजवादी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति प्रस्तावित है, जिससे कार्यक्रम का राजनीतिक और सामाजिक महत्व और बढ़ गया है। मुख्य रूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व राज्यमंत्री राज्यपाल कश्यप, आर एस कुशवाहा, पूर्व राज्यमंत्री शकील खान नदवी तथा सुनील यादव साजन समेत कई दिग्गज नेता कार्यक्रम में शामिल होंगे। आयोजक बदलू खान ने बताया कि इस तरह के आयोजन समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश देने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि होली और ईद जैसे त्योहार आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं और सभी वर्गों को एक मंच पर लाते हैं।

36 वर्षों की सेवा के बाद शिक्षक रजनीश कटियार को दी विदाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ। क्षेत्र के ग्राम जगटापुर स्थित कंपोजिट विद्यालय में उस समय भावुक माहौल बन गया, जब विद्यालय के प्रधान शिक्षक रजनीश कटियार के सेवानिवृत्त होने पर उन्हें स्नेह, सम्मान और अश्रुपूरित विदाई दी गई। वर्षों तक शिक्षा की अलख जगाने वाले गुरुजी ने न केवल बच्चों को अक्षरज्ञान दिया, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन और जीवन के मूल्यों की सीख भी दी।

विदाई समारोह के दौरान छात्र-छात्राएं, अभिभावक और सहकर्मी सभी भावुक नजर आए। हर किसी की आंखें नम थीं और माहौल पूरी तरह से भावनाओं से भरा हुआ था। अपने सरल स्वभाव, समर्पण और ममता भरे व्यवहार के कारण श्री कटियार ने विद्यालय परिवार और ग्रामीणों के दिलों में एक विशेष स्थान बनाया।

जानकारी के अनुसार, श्री कटियार ने शिक्षक संगठनों में कई वर्षों तक जिला अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी निभाई। इसके साथ ही उन्होंने ब्लॉक संसाधन केंद्र नासिरापुर में एबीआरसी के पद पर भी लंबे समय तक सेवाएं दीं। वह मिलनसार, हंसमुख और मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी रहे हैं तथा विज्ञान और इतिहास विषयों पर उनकी अच्छी पकड़ रही है। उन्होंने अपने 36 वर्षों के लंबे शैक्षणिक जीवन में सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया।

समारोह में उपस्थित शिक्षकों और गणमान्य लोगों ने उन्हें अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह, श्रीमद्भागवत गीता और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अमरेश पटेल, प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के जिला उपाध्यक्ष रमेश द्विवेदी, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप कुमार, राज्य अध्यापक पुरस्कार विजेता सेविना दीक्षित, निशांत सिंह, संजय दिवाकर, अरविंद सविता, विनीता रानी, विमलेश यादव, दिव्या पटेल, ब्रजेश कटियार सहित करीब आधा सैकड़ा शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं सम्मानपूर्ण जीवन की कामना करते हुए नम आंखों से उन्हें विदाई दी। यह समारोह न केवल एक शिक्षक के सेवानिवृत्त होने का अवसर था, बल्कि उनके उत्कृष्ट योगदान और प्रेरणादायक व्यक्तित्व को नमन करने का भी एक भावुक पल बन गया।

संचारी रोग नियंत्रण को लेकर सीडीओ सख्त, सफाई फागिंग व एंटीलारवा छिड़काव के दिए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने मंगलवार को एन.आई.सी. सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने अब तक की कार्यवाहियों और गतिविधियों का आकलन करते हुए अभियान को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। बैठक के दौरान सीडीओ ने प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील व ब्लॉक स्तर पर उप जिलाधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर शासनादेश के अनुरूप सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए। उन्होंने माइक्रोप्लान के अनुसार कार्यों के क्रियान्वयन और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने की बात कही। सीडीओ ने विशेष रूप से नालियों और नालों की साफ-सफाई, फॉगिंग तथा एंटीलार्वा छिड़काव को अभियान चलाकर कराने के निर्देश दिए। साथ ही जलभराव की स्थिति कहीं भी न बनने देने के लिए सतर्क रहने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करना होगा। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, सीएमएस डॉ. सुनील शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

छह अप्रैल को स्थापना दिवस पर घर-घर फहराया जाएगा भाजपा का झंडा

बांदा। जिले भर में छह अप्रैल को विभिन्न आयोजनों के बीच उत्साह और जोश के साथ पार्टी का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। पार्टी कार्यालय में आयोजित तैयारी बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। भाजपा जिलाध्यक्ष व राष्ट्रीय परिषद सदस्य ने स्थापना दिवस को ऐतिहासिक बनाते हुए घर-घर पार्टी का झंडा फहराने का आह्वान किया। भाजपा जिला कार्यालय में मंगलवार को आयोजित बैठक में संगठनात्मक मजबूती और आगामी स्थापना दिवस की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई। राष्ट्रीय परिषद सदस्य संतोष गुप्ता ने छह अप्रैल को मनाए जाने वाले भाजपा के स्थापना दिवस को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सुनिश्चित करने को कहा कि इस दिन हर घर पर भाजपा का झंडा फहराया जाए। कहा कि भाजपा ने विश्व में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में पहचान बनाई है।

कार्यक्रम में गूंजे श्रीराम के आदर्श, काव्य व लोक संस्कृति का संगम

बांगरमऊ। क्षेत्र के ग्राम तमोरिया बुजुर्ग में राष्ट्रोत्थान गुरुकुलम द्वारा चैत्र माह के पावन अवसर पर बीते सोमवार को 'रामस्मरणम्' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों का स्मरण कराना, लोक संस्कृति का संरक्षण करना तथा काव्य परंपरा को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में हिंदी भाषी क्षेत्र के विभिन्न प्रतिष्ठित कवि एवं कवयित्रियों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। देवरिया से पधारीं आकृति विज्ञ ने भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित अत्यंत मार्मिक एवं भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किए, जिन्हें श्रोताओं ने खूब सराहा। उन्होंने चैत्र माह की परंपरा को जीवंत करते हुए चैता गीत का भी सुमधुर गायन किया, जिससे कार्यक्रम में लोक रंग की विशेष छटा देखने को मिली। कानपुर से आए मयंक शुक्ल ने मंच संचालन की जिम्मेदारी बखूबी निभाते हुए अपने काव्य पाठ से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं लखीमपुर खीरी से आईं शिवा अवस्थी 'शिवा' ने अपने लोकगीतों से कार्यक्रम में नई ऊर्जा का संचार किया और वातावरण को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। शिवम श्रीवास्तव ने भी अपने ओजपूर्ण और भावपूर्ण काव्य पाठ से आयोजन को और अधिक समृद्ध बनाया। पूरा कार्यक्रम आचार्य योगेश के कुशल प्रबंधन एवं संयोजन में संपन्न हुआ। उनके नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम को क्षेत्र में व्यापक सराहना मिल रही है। ग्रामीणों एवं श्रोताओं ने इस तरह के आयोजनों को समाज में सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने वाला बताया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

शुक्लागंज में भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना, महिलाओं ने रखा व्रत

शुक्लागंज। चैत्र मास के कृष्ण पक्ष के सोमवार को नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भगवान जगन्नाथ की पारंपरिक पूजा-अर्चना पूरे विधि-विधान और उत्साह के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर महिलाओं ने परिवार की सुख-शांति और समृद्धि के लिए निर्जला व फलाहार व्रत रखकर आस्था प्रकट की। पूजन में नई फसल और ऋतु परिवर्तन की झलक दिखाई दी। महिलाओं ने नए गेहूं की बालियां, टेशू के फूल, कच्चे आम, गुड़-धनिया, मिट्टी की नई मटकी, गुझिया और पूड़ी का उपयोग किया। परंपरा के अनुसार मिट्टी की मटकी में गुड़ और धनिया भरकर उसे आटे से सील किया गया, जिसे शाम को खोलकर प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। इस दौरान भगवान जगन्नाथ के प्रतीकात्मक बेंत से घर के सभी सदस्यों को स्पर्श कराया गया।

डीआईजी कानपुर पहुंचे फर्रुखाबाद की कानून व्यवस्था की समीक्षा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फर्रुखाबाद। डीआईजी कानपुर रेंज हरीश चंद्र ने मंगलवार को पुलिस लाइन फर्रुखाबाद में कानून व्यवस्था की समीक्षा की । पुलिस लाइन, शस्त्रागार एवं आरटीसी पुलिस कार्यालय का विस्तृत एवं सघन निरीक्षण किया। उन्होंने अभिलेखों, दस्तावेजों, शस्त्रों के रखरखाव, कार्यालयी व्यवस्थाओं एवं पुलिस बल की कार्यप्रणाली को जाँचा । उन्होंने पुलिस लाइन परिसर में साफ-सफाई, बैरकों की स्थिति, मेस व्यवस्था, प्रशिक्षण गतिविधियों एवं ड्यूटी रजिस्टरों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। शस्त्रागार में उन्होंने हथियारों की उपलब्धता, रखरखाव एवं सुरक्षा मानकों को देखा और सभी शस्त्रों के नियमित परीक्षण और रिकॉर्ड के सही संधारण पर विशेष जोर दिया। डीआईजी ने कहा कि पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए नियमित प्रशिक्षण, अनुशासन और संसाधनों का समुचित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। डीआईजी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अभिलेख अद्यतन एवं व्यवस्थित रूप से संधारित किए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की जांच या निरीक्षण के दौरान पारदर्शिता बनी रहे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक आरती सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार, क्षेत्राधिकारी संजय वर्मा, अजय वर्मा तथा प्रतिसार निरीक्षक अविचल पांडे सहित अन्य अधिकारी व पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

कार्यकर्ता राष्ट्रसेवा में समर्पित रहें : राजेश शुक्ल

- शंकरगढ मंडल की दो दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान कार्यशाला का समापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत भाजपा यमुनापार जिले के शंकरगढ़ मंडल में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला मंगलवार को सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का आयोजन रानीगंज शंकरगढ़ स्थित एक गार्डन में किया गया, जिसमें कुल सात सत्रों में कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक, वैचारिक एवं तकनीकी विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि संगठन मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा, इतिहास और कार्यपद्धति को समझकर राष्ट्रसेवा में समर्पित रहें।

मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि द्वितीय सत्र वैचारिक अधिष्ठान में पूर्व जिला महामंत्री अशोक चौधरी, तृतीय सत्र कार्य पद्धति में पिछड़ा मोर्चा काशी क्षेत्र अध्यक्ष अश्विनी सिंह पटेल, चौथे सत्र कार्य विस्तार की हमारी दृष्टि में जिला उपाध्यक्ष राजेश्वरी तिवारी, पांचवें सत्र में बूथ प्रबंधन एवं मन की बात विषय के वक्ता जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, छठें सत्र में जिला आईटी प्रमुख सतीश विश्वकर्मा ने सोशल मीडिया नमो एप्प तथा समापन सत्र में पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल ने सरकार की उपलब्धियों व योजनाओं पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया।

मीडिया प्रभारी ने बताया कि समापन सत्र की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अखिलेश सिंह पटेल ने की। उन्होंने अतिथियों का अंगवस्त्रम, श्रीफल एवं बुके भेंट कर स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने योगाभ्यास, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम का संचालन राहुल पांडेय एवं युवराज सिंह पटेल ने किया। इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख निर्मला देवी, जिला महामंत्री रत्नाकर सिंह पटेल, जिला कोषाध्यक्ष अनूप केसरवानी, जिला कार्यालय मंत्री आनंद तिवारी, कुशल जैन, जगत नारायण शुक्ल, पुष्पराज सिंह, सावित्री देवी, राकेश, कुलदीप पटेल, शक्तिमान पाल, उमा वर्मा, सुजीत केसरवानी, अनुपम सिंह, अमरेश सिंह, विपिन, देवेश सिंह, रूद्र मिश्र, रामजतन वंसल, राकेश विश्वकर्मा, कमलेश सहित मंडल पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें!

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ – 2026

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आगामी ग्रीष्मकाल के दौरान रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का परिचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

04209/04210 वाराणसी – दिल्ली जं. – वाराणसी आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (सप्ताह में तीन दिन) — 76 फेरे

गाड़ी सं. 04209 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04210 आगमन	प्रस्थान
—	22:15	वाराणसी	09:50	—
13:30	—	दिल्ली जं.	—	19:25

चलने के दिन: 04209 वाराणसी से प्रत्येक सोमवार, बुधवार व शुक्रवार को दिनांक 15.04.2026 से 20.05.2026 एवं 27.05.2026 से 15.07.2026 तक और 04210 दिल्ली जं. से प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार व शनिवार को दिनांक 16.04.2026 से 21.05.2026 एवं 28.05.2026 से 16.07.2026 तक।
ठहराव: माँ बेल्हा देवी धाम, रायबरेली, लखनऊ, हरदोई, रामपुर, मुरादाबाद, हापुड़ एवं गाजियाबाद स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04203/04204 लखनऊ – नई दिल्ली – लखनऊ आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 26 फेरे

गाड़ी सं. 04203 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04204 आगमन	प्रस्थान
—	08:05	लखनऊ	06:35	—
18:30	—	नई दिल्ली	—	20:20

चलने के दिन: 04203 लखनऊ से और 04204 नई दिल्ली से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 20.04.2026 से 13.07.2026 तक।
ठहराव: बालामऊ जं., शाहजहाँपुर, बरेली, मुरादाबाद, अमरोहा, हापुड़ एवं गाजियाबाद स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04213/04214 अयोध्या छावनी – आनंद विहार (ट.) – अयोध्या छावनी आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (द्वि-साप्ताहिक) — 48 फेरे

गाड़ी सं. 04213 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04214 आगमन	प्रस्थान
—	18:20	अयोध्या छावनी	22:00	—
00:46	00:50	बरेली जं.	13:03	13:05
06:00	—	आनंद विहार (ट.)	—	09:00

चलने के दिन: 04213 अयोध्या छावनी से प्रत्येक रविवार व गुरुवार को दिनांक 16.04.2026 से 17.05.2026 एवं 28.05.2026 से 12.07.2026 तक और 04214 आनंद विहार (ट.) से प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार को दिनांक 17.04.2026 से 18.05.2026 एवं 29.05.2026 से 13.07.2026 तक।
ठहराव: बाराबंकी, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हापुड़ एवं गाजियाबाद स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04010/04009 दिल्ली जं. – सीतामढ़ी – दिल्ली जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 26 फेरे

गाड़ी सं. 04010 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04009 आगमन	प्रस्थान
—	23:05	दिल्ली जं.	23:10	—
23:30	—	सीतामढ़ी	—	01:00

चलने के दिन: 04010 दिल्ली जं. से प्रत्येक गुरुवार को दिनांक 16.04.2026 से 09.07.2026 तक एवं 04009 सीतामढ़ी से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 17.04.2026 से 10.07.2026 तक।
ठहराव: गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा जं., गोरखपुर, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04052/04051 नई दिल्ली – हावड़ा जं. – नई दिल्ली आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 24 फेरे

गाड़ी सं. 04052 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04051 आगमन	प्रस्थान
—	18:15	नई दिल्ली	08:20	—
23:40	—	हावड़ा जं.	—	01:40

चलने के दिन: 04052 नई दिल्ली से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 17.04.2026 से 15.05.2026 एवं 29.05.2026 से 10.07.2026 तक और 04051 हावड़ा जं. से प्रत्येक रविवार को दिनांक 19.04.2026 से 17.05.2026 एवं 31.05.2026 से 12.07.2026 तक।
ठहराव: गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं., किऊल जं., झाझा, जसीडीह जं., मधुपुर जं., चित्तरंजन, आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्धमान एवं बैण्डेल स्टेशन।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04062/04061 दिल्ली जं. – भागलपुर – दिल्ली जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 26 फेरे

गाड़ी सं. 04062 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04061 आगमन	प्रस्थान
—	11:45	दिल्ली जं.	20:10	—
13:30	—	भागलपुर	—	16:30

चलने के दिन: 04062 दिल्ली जं. से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 21.04.2026 से 14.07.2026 तक और 04061 भागलपुर से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 22.04.2026 से 15.07.2026 तक।
ठहराव: अलीगढ़ जं., टूंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, रफीगंज, गया जं., तिलैया, नवादा, वारिसलीगंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुल्तानगंज स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

02275/02276 सूबेदारगंज – शकूरबस्ती – सूबेदारगंज विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (द्वि-साप्ताहिक) — 16 फेरे

गाड़ी सं. 02275 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 02276 आगमन	प्रस्थान
—	21:35	सूबेदारगंज	04:00	—
10:15	—	शकूरबस्ती	—	13:00

चलने के दिन: 02275 सूबेदारगंज से प्रत्येक रविवार व मंगलवार को दिनांक 05.04.2026 से 28.04.2026 तक और 02276 शकूरबस्ती से प्रत्येक सोमवार व बुधवार को दिनांक 06.04.2026 से 29.04.2026 तक।
ठहराव: फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा, टूंडला, अलीगढ़, गाजियाबाद एवं दिल्ली जं. स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

08743/08744 दुर्ग – हरिद्वार जं. – दुर्ग विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 22 फेरे

गाड़ी सं. 08743 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 08744 आगमन	प्रस्थान
—	11:00	दुर्ग	03:00	—
17:30	—	हरिद्वार जं.	—	18:55

चलने के दिन: 08743 दुर्ग से प्रत्येक रविवार को दिनांक 19.04.2026 से 28.06.2026 तक एवं 08744 हरिद्वार जं. से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 20.04.2026 से 29.06.2026 तक।
ठहराव: रायपुर जं., भाटापारा, उसलापुर, पेन्ड्रा रोड, अनूपपुर जं., शहडोल, उमरिया, कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जं., ग्वालियर जं., धौलपुर, आगरा छावनी, मथुरा जं., कोसी कलाँ, हज़रत निज़ामुद्दीन, मेरठ सिटी एवं रुड़की स्टेशन।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलगाड़ी सं. 04652/04651 अमृतसर – जयनगर – अमृतसर हमसफर विशेष एक्सप्रेस रेल सेवा की परिचालन अवधि में विस्तार

रेलगाड़ी सं.	से	तक	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तार की प्रस्तावित अवधि	फेरे
04652	अमृतसर	जयनगर	29.03.26 तक	01.04.26 से 15.07.26	46
04651	जयनगर	अमृतसर	31.03.26 तक	03.04.26 से 17.07.26	46

रेलगाड़ी सं. 05736/05735 कटिहार – अमृतसर – कटिहार विशेष एक्सप्रेस रेल सेवा की परिचालन अवधि में विस्तार

रेलगाड़ी सं.	से	तक	चलने के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तार की प्रस्तावित अवधि	फेरे
05736	कटिहार	अमृतसर	बुधवार	25.03.26 तक	01.04.26 से 27.05.26	09
05735	अमृतसर	कटिहार	शुक्रवार	27.03.26 तक	03.04.26 से 29.05.26	09

रेलगाड़ी सं. 05736/05735 कटिहार – अमृतसर – कटिहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी का निम्नलिखित स्टेशनों पर संशोधित समय-सारणी

गाड़ी सं. 05736 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 05735 आगमन	प्रस्थान
—	21:00	कटिहार	23:45	—
22:07	22:09	शाहजहाँपुर	00:19	00:21
23:05	23:10	बरेली	23:07	23:09
00:25	00:33	मुरादाबाद	21:45	21:50
02:08	02:10	लक्सर जं.	20:08	20:10
02:30	02:32	रुड़की	19:43	19:45
04:00	04:05	सहारनपुर जं.	19:00	19:08
09:45	—	अमृतसर	—	13:25

नोट: अन्य सभी विवरण यथावत रहेंगे।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर विजिट करें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जीएसटी धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चार आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जनपद में साइबर क्राइम थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भोले-भाले लोगों को बहला-फुसलाकर उनके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर जीएसटी धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है।

पुलिस ने गिरोह के चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज एवं उपकरण बरामद किए हैं पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक साइबर थाना के नेतृत्व में यह कार्रवाई 30 मार्च 2026 को की गई।

गिरफ्तार अभियुक्तों में दीपक सिंह उर्फ भीमा (निवासी टिहुरकी, थाना रामनगर, बाराबंकी), अंकित द्विवेदी (निवासी बेहटा पकोड़ी, थाना तम्बौर, सीतापुर), धीरेन्द्र सिंह उर्फ कमल (निवासी गोरिया कलां, थाना कोतवाली देहात, सीतापुर) तथा राजू (निवासी मिर्ज़ापुर, थाना ईसानगर, खीरी) शामिल हैं पुलिस ने इनके पास से 37 सिम कार्ड, 26 चेकबुक, 16 पैन कार्ड, 20 आधार कार्ड, 21 किरायानामा स्टाम्प, 3 रबर स्टाम्प, 5 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक पेन ड्राइव, एक डिजिटल सिग्नेचर डिवाइस, 19 चाबियां, 4 जीएसटी रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र, 4 उद्यम रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र, 3 पार्टनरशिप डीड स्टाम्प, एक रिटायरमेंट डीड, कई रजिस्टर व नोटबुक, पासपोर्ट साइज फोटो पाउच तथा 26,100 रुपये नकद बरामद किए हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी भोले-भाले गरीब लोगों को झांसे में लेकर उनके आधार व पैन कार्ड की प्रतियां, फोटो और सिम कार्ड प्राप्त कर फर्जी दस्तावेज तैयार करते थे और उनके नाम पर जीएसटी फर्म खोलकर धोखाधड़ी करते थे।गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना साइबर क्राइम में मु0अ0सं0 08/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं एवं आईटी एक्ट की धारा 66ए में अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, अभियुक्तों के विरुद्ध जनपद के विभिन्न थानों में पूर्व से भी कई मामले दर्ज हैं, जिनकी विवेचना साइबर क्राइम थाना द्वारा की जा रही है इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक हेमंत कुमार राय, उपनिरीक्षक आशीष सहरावत, उपनिरीक्षक तनवीर अहमद, कांस्टेबल राहुल कुमार, मयंक वर्मा एवं वतन त्यागी की टीम का विशेष योगदान रहा।

कामदा एकादशी पर खाटू श्याम मंदिर में गूंजे बाबा के भजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। कामदा एकादशी के पावन अवसर पर नगर के समीपवर्ती कंजादेव स्थित खाटू श्याम मंदिर में भक्ति का अनुपम वातावरण देखने को मिला। श्रीश्याम दीवाने सेवा समिति द्वारा आयोजित भव्य संकीर्तन में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा और पूरा मंदिर परिसर 'हारे के सहारे' के जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक गणेश वंदना से हुआ। इसके बाद भजन गायक अजय गुप्ता एवं शिवम गुप्ता ने अपनी मधुर आवाज में बाबा श्याम के एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए। भजनों की धुन पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते और नाचते रहे। फूलों से सजे बाबा के दरबार और इत्र की सुगंध ने पूरे माहौल को भक्तिमय और अलौकिक बना दिया।

मंदिर के पुजारी संतोष पाठक ने श्रद्धालुओं को कामदा एकादशी की पौराणिक कथा सुनाते हुए बताया कि किस प्रकार ललिता ने श्रृंगी ऋषि के परामर्श से यह व्रत कर अपने पति ललित को राजा पुंडरीक के श्राप से मुक्ति दिलाई थी। उन्होंने कहा कि यह एकादशी सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली और पापों का नाश करने वाली मानी जाती है।

संकीर्तन के समापन पर बाबा की भव्य आरती उतारी गई, जिसमें महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके बाद श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया।

आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष दीपक राजपूत, महामंत्री अजय गुप्ता, अनिल जलोटा, संजू गुप्ता, अनिरुद्ध गुप्ता, शिवम गुप्ता, मीडिया प्रभारी सुधीर गुप्ता, आशुतोष रस्तोगी, बबलू जायसवाल, संतोष गुप्ता एवं सुमित राठौर सहित सभी सेवादारों का विशेष योगदान रहा।

पीसीएस में सफलता से धीरज ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अलीगंज क्षेत्र के ग्राम अलियापुर निवासी धीरज वर्मा ने पीसीएस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र और समाज का मान बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई है।

कहा जाता है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत के बल पर हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है, और धीरज वर्मा ने इसे सच कर दिखाया है। वह प्रगतिशील किसान अनिल वर्मा के पुत्र तथा पटेल संस्थान के पूर्व अध्यक्ष संजील वर्मा के भतीजे हैं। उनकी माता नीलम गृहिणी हैं, जबकि भाई अमित वर्मा और भाभी रश्मि वर्मा शिक्षक हैं। धीरज ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गोला गोकर्णनाथ स्थित विवेकानंद स्कूल से प्राप्त की, इसके बाद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से आगे की पढ़ाई पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने कानपुर से बीएससी की डिग्री हासिल की। इसके बाद सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए दिल्ली का रुख किया। लगातार परिश्रम और समर्पण के बल पर धीरज ने पहले ही प्रयास में पीसीएस परीक्षा में सफलता हासिल की। उनका चयन वाणिज्य कर विभाग में हुआ है। धीरज अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवारजनों और गुरुजनों को देते हैं उनकी सफलता से घर-परिवार में हर्षोल्लास का माहौल है। बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है और पूरे क्षेत्र में गर्व की भावना देखी जा रही है।

किशोर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में सुमेरपुर क्षेत्र के ग्राम विदोखर मेदनी में मंगलवार को सूना घर पाकर किशोर ने फंासी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के माता-पिता गुजरात में रहकर मजदूरी करते हैं। मृतक बड़े भाई के साथ गांव में रहता था। घटना के वक्त भाई रिश्तेदारी में बाहर गया हुआ था। विदोखर मेदनी निवासी मंगल प्रजापति पत्नी के साथ गुजरात के सूरत में रहकर मजदूरी करता है। इसके दो पुत्र राजकुमार एवं सुमित प्रजापति गांव में रहते हैं। सुमित (16) ने इस वर्ष हाईस्कूल की परीक्षा दी थी। सोमवार को बड़ा भाई राजकुमार रिश्तेदारी में बाहर गया था। मंगलवार को उसने कई बार सुमित को फोन किया परंतु रिसीव नहीं हुआ। शक होने पर उसने अन्य परिजनों को फोन किया। पड़ोस में रहने वाले ताऊ प्रेमशंकर प्रजापति ने छत से जाकर देखा तो वह फंासी पर झूल रहा था। उसने घटना को लेकर राजकुमार के साथ प्रधान लालाराम यादव को अवगत कराया। घटना से गुजरात के सूरत में रह रहे माता-पिता को अवगत कराया गया। घटना की सूचना पाकर भाई रिश्तेदारी से लौट रहा है। ग्राम प्रधान ने घटना की जानकारी पुलिस को दी है।

ऐतिहासिक मेला चैती के मंच पर भजन और झांकियों ने मोहा मन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। छोटी काशी के ऐतिहासिक चैती मेले के तृतीय दिवस सांस्कृतिक मंच पर भजन और मनोहारी झांकियों की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मनोहारी कला केन्द्र एवं पल्लवी आर्ट ग्रुप के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समा बांध दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व भाजपा जिला महामंत्री ठाकुर प्रसाद गंगवार रहे, जबकि अध्यक्षता पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष दीपेन्द्र गुप्ता ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला 'रिंकू' सहित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पुरुषोत्तम बाल विद्या मंदिर के प्रबंधक संजय तिवारी, समाजसेवी डॉ. शिवेन्द्र अवस्थी, भारत विकास परिषद के कोषाध्यक्ष रवि सक्सेना, ओम प्रकाश गुप्ता, राम किशोर भोजवाल, कौशल जायसवाल, दुर्गा विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य अरविन्द श्रीवास्तव, चित्रकार राजेन्द्र सोनी, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष कुलदीप वर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला 'रिंकू' ने सभी अतिथियों का पुष्पमाला एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत करते हुए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि ठाकुर प्रसाद गंगवार ने कहा कि ऐतिहासिक चैती मेले को नए आयाम देने के लिए पालिकाध्यक्ष बधाई के पात्र हैं। वहीं कार्यक्रम अध्यक्ष दीपेन्द्र गुप्ता ने कहा कि इस मंच के माध्यम से पुराने कार्यकर्ताओं को सम्मानित करना सराहनीय पहल है कार्यक्रम की शुरुआत मनोहारी कला केंद्र के अध्यक्ष सुरेश ठाकुर एवं पल्लवी आर्ट ग्रुप के अध्यक्ष सोनू 'पागल' के निर्देशन में हुई। कलाकारों ने श्री गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद हनुमान जी की आकर्षक झांकी एवं भजनों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया इस दौरान सभासद मोहित कनौजिया, गीता विश्वकर्मा, एडवोकेट शिव चन्द्र शाह, पूर्व प्राचार्य विश्वनाथ सिंह, रविन्द्र कटियार, मिलिंद शुक्ला, वीरेन्द्र गुप्ता, एसआई संदीप वर्मा, वरिष्ठ लिपिक अमित श्रीवास्तव, अवर अभियंता मनु बाजपेई सहित बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

मेला में आज

चैती मेले के सांस्कृतिक मंच पर 01 अप्रैल 2026 को सायं 7 बजे से बाल कवि सम्मेलन का आयोजन होगा।

ऑडिशन सूचना

सीनियर गायन प्रतियोगिता के लिए ऑडिशन 04 अप्रैल 2026 को पूर्वान्ह 11 बजे से लखीमपुर रोड स्थित नगर पालिका परिषद सभागार में आयोजित किया जाएगा।

हत्या व दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास 50 हजार का अर्थदंड

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित कोरांव थाने की पुलिस टीम के प्रभावी ढंग से पैरवी करने की वजह से विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, कक्ष संख्या-02 प्रयागराज ने मंगलवार को हत्या एवं दुष्कर्म मामले के आरोपित को आजीवन कारावास एवं पचास हजार के अर्थदंड से दंडित किया। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज के कोरांव थाना क्षेत्र के समेरी बाघराम पूरा भैंसोड़ गांव निवासी रोहिणी कुशवाहा पुत्र गेंदालाल के खिलाफ 03 जून 2021 को कोरांव थाने में धारा 302, 201, 376 भादवि एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

मामले में विवेचना पूर्ण होने के उपरांत 31 जुलाई 2021 को आरोपित के विरुद्ध आरोप पत्र माननीय न्यायालय में दाखिल किया गया।

अभियोजन विभाग से समन्वय स्थापित कर समयबद्ध रूप से साक्षियों के बयान कराए गए तथा प्रभावी पैरवी की गई। इसके फलस्वरूप मंगलवार को न्यायालय विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, कक्ष संख्या-02 प्रयागराज ने आरोपित रोहिणी कुशवाहा को धारा 302 भादवि में आजीवन कारावास व 40 हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 201 भादवि में 5 वर्ष के कठोर कारावास व 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। उल्लेखनीय है कि अभियुक्त द्वारा वादी की बहन के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी तथा साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को तालाब में छुपा दिया गया था। पुलिस की प्रभावी विवेचना व न्यायालय में मजबूत पैरवी के चलते अभियुक्त को सजा दिलाई जा सकी।

धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव, मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। विकास खंड बांकेगंज के पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय, लक्ष्मीपुर में सोमवार को वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शैक्षिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिससे विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, नाटक और कविताएं शामिल रहीं। बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह के दौरान विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही पुस्तक वितरण कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को शैक्षिक सामग्री भी वितरित की गई। मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी श्रवणकांत अहिरवार ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उनकी छिपी प्रतिभा को निखारने का मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने छात्रों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा दी कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक विपिन कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कार्यक्रम में अभिभावकों एवं क्षेत्रीय लोगों की अच्छी-खासी उपस्थिति रही। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन एवं व्यवस्था बनाए रखने में विद्यालय के शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष आशुतोष गिरि, सुनील वर्मा, जगन्नाथ प्रसाद, अरविंद्र मिश्रा, सरजीत सिंह, ललित कुमार सहित अन्य शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर की चपेट में आकर तीन वर्षीय मासूम बच्चे की मौत

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद के तरकुलवा थाना क्षेत्र के सिधावे धर्मागत पट्टी वार्ड नंबर 14 में मंगलवार को एक हादसे में 3 वर्षीय मासूम बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान आरव शर्मा (3) पुत्र अनिल शर्मा निवासी सिधावे धर्मागत पट्टी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, उसी गांव का निवासी करीब 11 वर्ष का बालक ट्रैक्टर चला रहा था। घटना के समय वह ट्रैक्टर लेकर निकला था, तभी अचानक मासूम आरव अपने घर से निकल कर जा रहा था और ट्रैक्टर की चपेट आकर उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तरकुलवा थानेदार का कहना है कि इस मामले में तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहालमामले की जांच शुरू कर दी है।-

कैंपियरगंज क्षेत्र की सुनीता की जमीन पर परिजनों की नजर, मांगा न्याय मांगा

गोरखपुर। गोरखपुर जिले के कैंपियरगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली सुनीता ने मंगलवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता कर न्याय मांगा। पीड़िता ने बताया कि उसकी अपनी खेतिहर और पुश्तैनी जमीन है लेकिन परिवार के ही कुछ लोग महिला समझ कर जमीन पर कब्जा करने के लिए लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं । परिवार को और बच्चों को भी मारते–पीटते हैं। महिला ने बताया कि जब मारपीट की शिकायत थाने में की तो पुलिस ने सामान्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। ऐसे में आरोपितों की गिरफ्तारी भी नहीं हो पा रही है और वे लोग जमीन को लेकर लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं जबकि न्यायालय से सुनीता को जीत मिल चुकी है और वर्तमान में काबिज भी है । सुनीता ने कहा कि उसे सभी आरोपितों को गिरफ्तारी कर पीड़ित को न्याय दिया जाय।

रेलवे सुरक्षा बल व राष्ट्रीय महिला आयोग ने 'मानव तस्करी निरोधक' पर किया जागरूक

प्रयागराज। महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से मंगलवार को प्रयागराज के मुंडेरा स्थित एक होटल में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय महिला आयोग और रेलवे सुरक्षा बल उत्तर मध्य रेलवे के संयुक्त प्रयास से आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा मानव तस्करी की पहचान, इसकी रोकथाम के उपाय और पीड़ितों के बचाव एवं सहायता से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने इस बात पर विशेष बल दिया कि तस्करों द्वारा अक्सर परिवहन के साधनों का उपयोग किया जाता है, इसलिए रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों के भीतर किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर सतर्क निगरानी रखना अत्यंत आवश्यक है। सेमिनार में इस जागरूकता अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए रेलवे से जुड़े उन सभी वर्गों को शामिल किया गया, जो यात्रियों के सीधे संपर्क में रहते हैं। कार्यक्रम में 160 आरपीएफ कर्मी, 24 जीआरपी जवान, 25 वाणिज्य विभाग के कर्मचारी, 10 वेंडर, 08 कुली एवं 03 पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रेलवे परिसरों में कार्यरत सभी एजेंसियों और फ्रंटलाइन कर्मियों (जैसे वेंडर, कुली और टिकट चेकिंग स्टाफ) को मानव तस्करी की घटनाओं के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाना था। इसके साथ ही, इस जघन्य अपराध को रोकने के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों और रेलवे विभागों के बीच आपसी समन्वय को सुदृढ़ करना इस पहल का प्रमुख लक्ष्य है। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभागिता की, जिनमें मुख्य रूप से राज्य महिला आयोग अध्यक्षा बबीता चौहान, डॉ. सरफराज अहमद खान, अजीत सिंह, गुड़िया एनजीओ, मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल, प्रदीप कुमार गुप्ता, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त उत्तर मध्य रेलवे, मुख्य सुरक्षा आयुक्त एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त आदि उपस्थित रहे।

राम जानकी विद्या मंदिर में वार्षिकोत्सव की धूम, मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भारत भूषण कॉलोनी स्थित राम जानकी विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में वार्षिकोत्सव एवं मेधावी छात्र अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मीनाक्षी अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ संस्कारों को अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज निर्माण की आधारशिला हैं और उनके मार्गदर्शन में विद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विशिष्ट अतिथि अरविंद पांडे एवं राजेश प्रजापति ने भी विद्यालय परिवार के प्रयासों की प्रशंसा की और विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समारोह के दौरान कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम से पूर्व विद्यालय परिवार द्वारा मुख्य अतिथि का पुष्पमालाओं से भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य राधा महेश्वरी ने की, जबकि संचालन शिक्षक मोतीलाल वर्मा एवं दिव्या दीक्षित ने संयुक्त रूप से किया इस अवसर पर अरविंद पांडे, राजेश प्रजापति, महेंद्र वर्मा, सुनील शुक्ला, मनोज वर्मा, आलोक तिवारी, संजय तिवारी सहित विद्यालय के शिक्षक–अनिल कुमार वर्मा, अरविंद कुमार वर्मा, राजेश वर्मा, कविता दीक्षित, सारिका गुप्ता, प्रहलाद कुमार वर्मा, रितेश बाजपेई, शिखा पटेल, श्रद्धा पाण्डेय, श्रीमती लीला, निशी गुप्ता, विपनेश कुमार वर्मा–के साथ बड़ी संख्या में अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अमेठी में लव जिहाद और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के दो आरोपित गिरफ्तार

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव से लव जिहाद का मामला सामने आया है। इस मामले में थाना स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनके नाम मोहम्मद अनस पुत्र मोहम्मद साबिर खान निवासी ग्राम किशनी थाना बाजार शुकुल तथा इरफान पुत्र रऊफ निवासी शेखवापुर थाना बाजार शुकुल हैं। बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासी नाबालिग लड़की के परिजनों ने थाने पर तहरीर देकर मुकदमा पंजीकृत करवाया था कि दो आरोपितों ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर प्रेम जाल में फंसाते हुए विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन करने का दबाव बना रहे हैं। जिस पर बाजार शुकुल थाने की पुलिस ने मामले की जांच करते हुए तत्काल सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया।

लखनऊ सुपर जाइंट्स का पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से, पंत पर रहेगा दबाव

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स बुधवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2026 में अपने अभियान की शुरूआत करेगी तो कप्तान ऋषभ पंत पर प्रदर्शन में सुधार का काफी दबाव रहेगा।

पिछले साल लखनऊ टीम के साथ बतौर कप्तान और स्टार बल्लेबाज अपने पहले साल में पंत अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके थे। प्रमुख खिलाड़ियों खासकर तेज गेंदबाजों की चोटों ने उनकी मुश्किलें और बढा दी थी। इस साल उनके पास पूरी तरह से फिट टीम है और मोहम्मद शमी तथा एनरिच नॉर्किया जैसे अनुभवी गेंदबाजों के आने से आक्रमण मजबूत हुआ है। अक्सर चोटिल रहने वाले तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पिछले एक साल में अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है और लखनऊ को उम्मीद होगी कि वह उस भरोसे पर खरे उतरें जो टीम ने उन पर किया है। तेज गेंदबाज मोहसिन खान भी चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं जबकि प्रिंस यादव ने भी अपनी मध्यम तेज गेंदबाजी से प्रभावित किया है। स्पिनर दिग्वेश सिंह राठी ने पहले साल में ही अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी थी और वह उस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे। गेंदबाजी की तुलना में लखनऊ की बल्लेबाजी बेहतर लग रही है। मिचेल मार्श और एडेन मार्क्रम आईपीएल की सबसे खतरनाक सलामी जोड़ियों में से है। पिछले सत्र में चौथे नंबर पर कोई कमाल नहीं कर सके पंत ने तीसरे नंबर पर शतक जमाया था। वह तीसरे नंबर पर ही उतरेंगे जबकि निकोलस पूरन चौथे नंबर पर खेलेंगे। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले सत्र में सात सलामी जोड़ियों को आजमाया लेकिन बात नहीं बनी। इस सत्र में उन्हें शीर्षक्रम में स्थिरता की उम्मीद होगी। केएल राहुल पारी का आगाज करेंगे लेकिन उनके साथ पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल या पाथुम निसांका में से कौन होगा, अभी तय नहीं है। मध्यक्रम को मजबूती देने के लिये डेविड मिलर को लाया गया है जबकि दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स भी टीम में हैं। चोट के कारण मिचेल स्टार्क पहला मैच नहीं खेल सकेंगे लेकिन दिल्ली का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत है। कप्तान अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे दो मैच विनर उसके पास है। उनके साथ लुंगी एंगिडि भी हैं जो टी20 विश्व कप में जबर्दस्त फॉर्म में थे।

टीमें : लखनऊ सुपर जाइंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीज्के, एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश महाराज सिंह, आवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अर्जुन तेंदुलकर, मयंक यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिच नॉर्किया, जोश इंगलिस, अब्दुल समद, हिम्मत सिंह, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी, मोहसिन खान, मनिमारन सिद्धार्थ, मुकुल चौधरी। दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नीतिश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स,आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी दर, पाथुम निसांका, लुंगी एंगिडि, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय मंडल, टी नटराजन, माधव तिवारी, करूण नायर, साहिल पारख।

गांगुली ने किया बीसीसीआई का समर्थन, पारंपरिक केंद्रों ही नहीं हर जगह खेले जायें टेस्ट

एजेंसी

कोलकाता। भारत के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली चाहते हैं कि ईडन गार्डन्स पर ज्यादा से ज्यादा टेस्ट हों लेकिन उन्हें यह देखकर भी खुशी होती है कि पारंपरिक प्रारूप के मैच गुवाहाटी और रांची जैसे केंद्रों पर खेले जा रहे हैं। बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह भारतीय क्रिकेट टीम के 2026 . 27 के घरेलू सत्र का ऐलान करते हुए आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के टेस्ट कोलकाता और मुंबई जैसे पारंपरिक केंद्रों पर नहीं कराने का फैसला किया है। ये मैच 21 जनवरी से 25 फरवरी तक नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जायेंगे। गांगुली ने स्पोर्टस्टार की किताब 'मिरेकल एट ईडन' के विमोचन से इतर कहा ,'' ईडन गार्डन्स पर बड़े टेस्ट मैच होते

देखना हमेशा अच्छा लगता है। कैब के अध्यक्ष और पूर्व खिलाड़ी होने के नाते मैं चाहता हूं कि यहां टेस्ट मैच हो लेकिन हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट की मेजबानी की थी। इसके बाद टी20 विश्व कप के मैच हुए और अब आईपीएल के मैच भी यहां हो रहे हैं।'' उन्होंने कहा ,'' हम सभी चाहते हैं कि ईडन पर ज्यादा मैच हो लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि दूसरे मैदानों पर भी मैच होने चाहिये। गुवाहाटी नवंबर 2025 में ही टेस्ट केंद्र बना और वहां एक साल के भीतर दूसरा टेस्ट होने जा रहा हैं। वहीं अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर पिछले साल अक्टूबर में ही टेस्ट हुआ था। वानखेड़े स्टेडियम पर आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में खेला गया था। बीसीसीआई के कैलेंडर के अनुसार कोलकाता (तीन जनवरी , 2027) और मुंबई (नौ जनवरी, 2027) में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे होंगे जबकि दिल्ली में इस साल 13 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ वनडे खेला जायेगा। पहली बार इस मसले पर बोलते हुए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने कहा ,'' पूरे भारत में अच्छे स्टेडियम है। चेन्नई , गुवाहाटी और रांची में टेस्ट होते देखकर अच्छा लगता है।वहां सुविधायें उत्पन्न काफी अच्छी है। वहीं भारत के पूर्व स्पिनर वेंकटपति राजू ने कहा ,'' हमारे समय में कोलकाता, कानपुर, चेन्नई , दिल्ली और मुंबई में ही टेस्ट होते थे। उसका अपना आकर्षण था और मुझे लगता है कि फिर ऐसा ही होना चाहिये।''

सब जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप में 29 टीमें

एजेंसी

रांची। यहां बुधवार से शुरू हो रही 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में तीन श्रेणियों में 29 टीमें भाग लेंगी। टूर्नामेंट 12 अप्रैल तक चलेगा और टीमें ए , बी तथा सी श्रेणियों में भाग लेंगी। ए श्रेणी की टीमें चैम्पियनशिप खिताब के लिये खेलेंगी जबकि बी श्रेणी की शीर्ष दो टीमों और सी श्रेणी की विजेता टीम को प्रमोशन मिलेगा। ए और बी श्रेणी की आखिरी दो टीमें अगले साल क्रमशः बी और सी श्रेणी में खिसक जायेंगी। ए श्रेणी में बारह टीमों को चार पूल में बांटा गया है और नॉकआउट चरण नौ अप्रैल से खेला जायेगा। पूल ए में मेजबान हॉकी झारखंड, बिहार और महाराष्ट्र हैं जबकि पूल बी में ओडिशा, हॉकी पंजाब और हॉकी आंध्र प्रदेश हैं। पूल सी में हॉकी हरियाणा, हॉकी मध्यप्रदेश और मणिपुर हॉकी हैं। सभी टीमों को जीतने पर तीन अंक और ड्रॉ पर एक अंक मिलेगा।

पावरप्ले में ही मैच का रूख तय करने की योजना कारगर रही: सूर्यवंशी

एजेंसी

गुवाहाटी। चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारी खेलकर राजस्थान रॉयल्स को 47 गेंद शेष रहते आठ विकेट से बड़ी जीत दिलाने वाले युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि उनकी योजना पावरप्ले में ही मैच का रुख तय करने की थी। महज 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा करने वाले सूर्यवंशी ने 17 गेंदों की पारी में 52 रन बनाए, जिससे राजस्थान रॉयल्स ने 128 रन के लक्ष्य को 12.1 ओवर में दो विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। हाल ही में अपना 15वां जन्मदिन मनाने वाले सूर्यवंशी ने मैच के बाद प्रसारकों से कहा, ''हमारी योजना पावरप्ले में बड़ा स्कोर खड़ा करने की थी। शुरुआत में विकेट थोड़ा धीमा था, लेकिन बाद में बल्लेबाजी आसान हो गई। कोचों ने मुझ पर भरोसा

जताया है और कहा है कि अपने खेल पर कायम रहूं। उन्होंने साथी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की भूमिका की तारीफ करते हुए कहा कि इस भारतीय बल्लेबाज के मार्गदर्शन से उन्हें फायदा हुआ। पंद्रह वर्षीय सूर्यवंशी ने कहा, ''वह मुझे बड़े शॉट खेलने के लिए प्रेरित करते हैं और कहते हैं कि गेंद अच्छे से बल्ले पर आ रही है और उसी तरह खेलते रहो। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने भी सूर्यवंशी की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''मैं उसे कहता हूं कि पूरे 14 मैच खेले और बाहरी बातों से प्रभावित न हो। हमने नेट्स में उसका खेल देखा है और वह शानदार है। टीम संयोजन में बाएं-दाएं हाथ के बल्लेबाजों का संतुलन जरूरी है। पराग ने टॉस को निर्णायक बताते हुए कहा कि गेंदबाजों ने परिस्थितियों का बेहतरीन इस्तेमाल किया। पराग ने कहा, ''टॉस जीतना हमारे लिए थोड़ा भाग्यशाली रहा। बारिश के कारण लाल मिट्टी की पिच गेंदबाजों के लिए मददगार थी और उन्होंने योजनाओं को अच्छी तरह अमल में लाया। कप्तानी के लिए काफी तैयारी की है और हमारा लक्ष्य खिताब जीतना है। हम स्मार्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं और परिस्थितियों के अनुसार ढलना चाहते हैं, जो आज हमने किया। राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर ने शानदार गेंदबाजी के दम पर 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार हासिल करने के बाद कहा कि टीम को जीत दिलाने में योगदान देना और टूर्नामेंट की सकारात्मक शुरुआत करना बेहद संतोषजनक है। बर्गर ने कहा, ''जीत में योगदान देना अच्छा लगता है और टीम को अच्छी शुरुआत दिलाकर खुशी हो रही है। टॉस जीतना अहम रहा।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली, 31 मार्च (हि.स.)। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,48,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,48,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,35,910 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,36,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु आज शुरुआती कारोबार कै दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार के भाव पर यानी 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,48,420 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर

रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,48,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,48,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,35,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,48,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,48,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,35,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,48,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,36,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,35,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,48,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,48,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,35,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अमेरिका में पेट्रोल की कीमत चार डॉलर प्रति गैलन के पार, 2022 के बाद सबसे अधिक

एजेंसी

न्यूयॉर्क। ईरान युद्ध के बीच वैश्विक स्तर पर ईंधन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से अमेरिका में पेट्रोल की कीमत 2022 के बाद पहली बार औसतन चार डॉलर प्रति गैलन से अधिक हो गई है। वाहन कंपनियों के संघ 'एएए' के अनुसार, नियमित पेट्रोल की राष्ट्रीय औसत कीमत अब 4.02 डॉलर प्रति गैलन हो गई है जो युद्ध शुरू होने से पहले की तुलना में एक डॉलर से अधिक है। इससे पहले रूस के यूक्रेन पर हमला करने के दौरान करीब चार वर्ष पहले अमेरिका में पेट्रोल इतना महंगा हुआ था। अमेरिका और इजराइन के 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव और बढ़ोतरी हुई है। कच्चा तेल, पेट्रोल का मुख्य घटक है। इस संघर्ष के कारण आपूर्ति श्रृंखला में गंभीर व्यवधान उत्पन्न हुए हैं और पश्चिम एशिया के प्रमुख तेल उत्पादकों ने उत्पादन में कटौती भी की है जिससे कीमतों पर दबाव बढ़ा है।

नया आयकर कानून एवं कई बजटीय प्रावधान एक अप्रैल से होंगे लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। नए वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत के साथ ही एक अप्रैल से देश का आयकर ढांचा भी बड़े बदलावों के दौर में प्रवेश करने जा रहा है। नया आयकर अधिनियम, 2025 बुधवार से लागू हो जाएगा, जो करीब छह दशक पुराने 1961 के कानून की जगह लेगा। इस नए कानून के तहत टैक्स सिस्टम, प्रक्रियाओं और नियमों में कई अहम बदलाव किए गए हैं। सबसे बड़ा बदलाव वित्तीय वर्ष और निर्धारण वर्ष की जगह एकल 'कर वर्ष' की शुरुआत है, जिससे टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया को सरल बनाने की कोशिश की गई है। आयकर विभाग के मुताबिक नए आयकर कानून और अन्य बजटीय प्रावधान 1 अप्रैल से लागू होंगे। इन बजटीय प्रावधान में वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) व्यापार पर उच्च प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) और चिकित्सा तथा शिक्षा उद्देश्यों के लिए विदेशी पर्यटन पैकेज एवं एलआरएस प्रेषणों पर कम टीसीएस शामिल हैं। इसके अलावा भारत में डेटा सेंटर सेवाएं लेने वाली विदेशी कंपनियों को 2047 तक 20 वर्ष की कर छूट और सॉफ्टवेयर कंपनियों के लिए 'सेफ हार्बर' प्रावधानों की सीमा बढ़ाने से संबंधित बजट घोषणाएं भी वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत के साथ बुधवार से प्रभावी हो जाएंगी। नए कानून का उद्देश्य उसी कर नीति को अधिक तार्किक, सुलभ एवं पाठक-अनुकूल प्रारूप में प्रस्तुत करना है। बदलाव अवधि के दौरान उसका ई-फाइलिंग मंच पुराने और नए दोनों आयकर कानूनों के तहत

अनुपालन की सुविधा देगा। साथ ही पिछले वर्षों से संबंधित सभी आकलन, अपील एवं अन्य कार्यवाही अंतिम निपटान तक पुराने कानून के तहत ही जारी रहेंगी। आकलन वर्ष 2026-27 (जो पुराने कानून की अवधि से संबंधित है) के लिए जुलाई में रिटर्न दाखिल करने वाले करदाता पुराने कानून के तहत निर्धारित प्रपत्रों का ही उपयोग करेंगे। कर वर्ष 2026-27 के लिए अग्रिम कर भुगतान जून से शुरू होगा। आयकर अधिनियम, 2025 में आकलन वर्ष और पूर्व वर्ष के अंतर को समाप्त कर एकल 'कर वर्ष' व्यवस्था लागू की गई है। इसके साथ ही समय सीमा के बाद आयकर रिटर्न दाखिल होने पर भी टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) की वापसी बिना किसी दंड शुल्क के लेने की अनुमति दी गई है। एक अप्रैल से लागू होने वाला एक अन्य बड़ा बदलाव वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) सौदों पर एसटीटी में वृद्धि है। वायदा अनुबंधों पर एसटीटी 0.02 फीसदी से बढ़कर 0.05 फीसदी हो जाएगा। विकल्प प्रीमियम एवं विकल्प के प्रयोग पर एसटीटी क्रमशः 0.1 फीसदी और 0.125 फीसदी से बढ़कर 0.15 प्रतिशत हो जाएगा।

एसटीटी में यह बढ़ोतरी इक्विटी बाजार के एफएंडओ खंड में सट्टेबाजी को सीमित करने और छोटे निवेशकों को भारी नुकसान से बचाने के उद्देश्य से की गई है। आंकड़ों के मुताबिक इक्विटी डेरिवेटिव (एफएंडओ) खंड में कारोबार करने वाले व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या 2024-25 में 1.06 करोड़ थी, जो 2025-26 में (30 दिसंबर 2025 तक) घटकर लगभग 75.43 लाख रह गई। सेबी के अध्ययन 'इक्विटी डेरिवेटिव खंड में वृद्धि बनाम नकद बाजार' के अनुसार, 2024-25 में व्यक्तिगत निवेशकों को 1.05 लाख करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध नुकसान हुआ। इसके साथ ही आईटी सेवाओं के लिए 'सेफ हार्बर' सीमा को 300 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इससे आईटी/आईटीईएस क्षेत्र को अधिक निश्चितता मिलेगी एवं मुकदमेबाजी में कमी आने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

सेबी ने एलीटकॉन, प्रवर्तक व अन्य को बाजार से प्रतिबंधित किया

नयी दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने कथित हेरफ़ेर गतिविधियों एवं भ्रामक खुलासों के आरोप में एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, उसके प्रवर्तक एवं प्रबंध निदेशक विपिन शर्मा और चार अन्य को प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को जारी अंतरिम एकपक्षीय आदेश में शर्मा और चार अन्य इकाइयों से लगभग 51.26 करोड़ रुपये की कथित अवैध कमाई जब्त करने का निर्देश दिया। इसके अलावा सेबी ने कहा कि वह इस मामले में विस्तृत जांच करेगा और 'फोरेंसिक' लेखा परीक्षक नियुक्त करेगा। यह कार्रवाई एलीटकॉन इंटरनेशनल के शेयर में कारोबार की जांच के बाद की गई। जांच में नियामक को प्रथम दृष्टया यह संकेत मिले कि कंपनी और उससे जुड़े लोगों ने परिचालन एवं वित्तीय स्थिति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी छिपाकर निवेशकों को गुमराह किया जबकि उसी दौरान ऊंची कीमतों पर शेयर बेचे जा रहे थे। सेबी ने आरोप लगाया कि कंपनी ने अपने वित्तीय एवं परिचालन स्थिति की भ्रामक तस्वीर पेश करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दबाई। आदेश में कहा गया कि सकारात्मक खुलासे किए गए लेकिन माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से जुड़े मामलों सहित कुछ प्रतिकूल घटनाक्रमों की जानकारी निवेशकों को पर्याप्त रूप से नहीं दी गई। सेबी ने अपने 82 पृष्ठ के आदेश में कहा, '' कंपनी के वित्तीय हालात और कामकाज के संबंध में बाहरी दुनिया के सामने केवल सकारात्मक तस्वीर पेश की जा रही थी। नियामक ने कहा कि ऐसे चयनात्मक खुलासों से बाजार में सकारात्मक माहौल बना और निवेशकों को शेयर खरीदने के लिए प्रेरित किया गया जबकि उसी समय प्रवर्तक एवं उनसे जुड़े पक्ष अपने शेयर बेच रहे थे। सेबी के अनुसार प्रथम दृष्टया साक्ष्य से पता चलता है कि सकारात्मक बाजार धारणा बनाए रखने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण तथ्यों को दबाया गया जबकि नोटिस प्राप्त पक्ष अपनी हिस्सेदारी बेच रहे थे। नियामक ने कहा कि यह आचरण शेयर कीमत को कृत्रिम रूप से सहारा देने और निवेशकों की रुचि का लाभ उठाने की योजना की ओर संकेत करता है, जिससे बाजार में हेरफ़ेर की आशंका उत्पन्न होती है। इसी के तहत सेबी ने छह इकाइयों को अगले आदेश तक प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रतिभूतियों की खरीद-फरोख्त से रोक दिया है। साथ ही संबंधित इकाइयों के बैंक और 'डीमैट' खातों को जब्त की गई राशि की सीमा तक फ्रीज करने का भी निर्देश दिया गया है। प्रतिबंधित व्यक्तियों में प्रवर्तक विपिन शर्मा, गैर-प्रवर्तक पवन कुमार राय तथा ऑफ-मार्केट हस्तांतरण पाने वाले गौरव त्यागी, प्रभाकर कुमार और सुजीत चतुर्वेदी शामिल हैं। नियामक ने इन इकाइयों को अपनी संपत्तियों एवं निवेशों का विवरण देने का निर्देश भी दिया है। कंपनी की वास्तविक वित्तीय स्थिति का पता लगाने के लिए फोरेंसिक ऑडिट कराने का आदेश दिया है। सेबी ने कहा कि कथित गैरकानूनी लाभों के दुरुपयोग को रोकने और निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है।

पश्चिम एशिया संघर्ष जारी रहने पर भारत के जीडीपी वृद्धि अनुमान में हो सकती है एक प्रतिशत तक की कटौती

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के आगामी वित्त वर्ष तक जारी रहने पर भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर में करीब एक प्रतिशत तक कमी आ सकती है, जबकि खुदरा महंगाई लगभग 1.5 प्रतिशत बढ़ सकती है। ईवाई की एक रिपोर्ट में बात कही गई। ईवाई इकोनॉमी वॉच रिपोर्ट के अनुसार कपड़ा, पेंट, रसायन, उर्वरक, सीमेंट व टायर जैसे कई क्षेत्र सीधे तौर पर प्रभावित हो सकते हैं। इन क्षेत्रों में रोजगार या आय में किसी भी कमी से समग्र मांग पर और दबाव पड़ सकता है। इसके परिणामस्वरूप आपूर्ति और मांग दोनों की स्थितियां वैश्विक तेल बाजार में उतार-चढ़ाव से प्रभावित हो सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 90 प्रतिशत आयात करता है। इसके साथ ही वह प्राकृतिक गैस और उर्वरकों के आयात पर भी काफी निर्भर है। इसलिए वह ऐसे बाहरी झटकों के प्रति अधिक संवेदनशील है। कच्चे तेल और ऊर्जा से जुड़े मजबूत अग्र एवं पश्च संबंधों के कारण इसका नकारात्मक प्रभाव कई क्षेत्रों में फैल सकता है। इसमें कहा गया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने वैश्विक कच्चे तेल और ऊर्जा बाजारों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इससे आपूर्ति, भंडारण, परिवहन और कीमतों पर असर पड़ा है। संघर्ष जल्दी समाप्त हो जाने पर भी इन व्यवधानों को सामान्य होने में समय लग सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, '' यदि इसका प्रभाव समूचे वित्त वर्ष 2026-27 तक बना रहता है, तो भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि में करीब एक प्रतिशत की कमी आ सकती है और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई लगभग 1.5 प्रतिशत बढ़कर अपने मूल अनुमान सात प्रतिशत और चार प्रतिशत से ऊपर जा सकती है। ईवाई ने फरवरी की अपनी रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि 6.8 से 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। अमेरिका और इजराइल के 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले के बाद तेहरान की कड़ी प्रतिक्रिया से पश्चिम एशिया में उत्पन्न व्यापक संघर्ष से कच्चे तेल की कीमतों में करीब 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है।

डंकिन के साथ 'फ्रेंचाइजी' समझौता नहीं बढ़ाएगी जुबिलेंट फूडवर्क्स

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख क्विक सर्विस रेस्तरां श्रृंखला संचालक जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड (जेएफएल) ने अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कॉफी एवं डोनट कंपनी डंकिन के साथ अपने 'फ्रेंचाइजी' समझौते को फिर नहीं बढ़ाने और उसके स्टोर चरणबद्ध तरीके से बंद करने का फैसला किया है। 'भारतीया' परिवार प्रवर्तित कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जेएफएल और डंकिन के बीच 24 फरवरी 2011 को किया गया मल्टीपल यूनिट डेवलपमेंट फ्रेंचाइजी एग्रीमेंट (एमयूडीएफए) 31 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रहा है। कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने भारत में डंकिन ब्रांड के विकास एवं संचालन के लिए किए गए एमयूडीएफए के तहत दिए गए विकास अधिकारों को मौजूदा अवधि समाप्त होने पर नवीनीकृत (रिन्यू) न करने का निर्णय लिया है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होगो।

कुशीनगर से विश्व शांति का संदेश, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन में जुटे देश-विदेश से आए विद्वान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- महापरिनिर्वाण स्थली पर गूंजा धम्म का संदेश, वैश्विक मंच पर जुटे विद्वान, विशेषज्ञ और संत
- धम्म, संवाद और विकास पर मंथन, द. कोरिया, लाओस, जापान के प्रतिनिधियों ने रखे विचार
- वैश्विक संघर्ष के दौर में भगवान बुद्ध के संदेश से मिलेगा शांति का मार्गः जयवीर सिंह

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के महापरिनिर्वाण स्थल से विश्व शांति का संदेश देने वाला 'अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन 2026' मंगलवार से शुरू हो गया। 31 मार्च से 2 अप्रैल तक चलने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में देश-विदेश से आए बौद्ध भिक्षु, संत, विद्वान, नीति-निर्माता और युवा एक मंच पर जुटे हैं। सम्मेलन में भगवान बुद्ध की करुणा, शांति और शिक्षाप्रद संदेशों की वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में प्रासंगिकता पर गहन मंथन किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'वर्तमान समय में जब दुनिया के अनेक हिस्सों में संघर्ष और अनिश्चितता का माहौल है, ऐसे समय में भगवान बुद्ध के जीवन संदेश सकारात्मक मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने बताया कि जिले में आयोजित यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन वैश्विक स्तर पर शांति, सहअस्तित्व और आपसी समझ को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल है। कुशीनगर के महापरिनिर्वाण मंदिर में आज अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन का शुभारंभ मंत्रोच्चार के साथ हुआ। इसके बाद 'बुद्धा लाइफ गैलरी' का उद्घाटन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। इस अवसर पर कुशीनगर के जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने अतिथियों का स्वागत किया। आरआईएस के एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. पंकज वशिष्ठ ने 'बौद्ध दर्शन' की आज के दौर में प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे। सम्मेलन में 'बुद्धाज कुशीनगर' विषय पर एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। वहीं, स्थानीय विधायक और सांसद ने भी सम्मेलन की अहमियत को रेखांकित करते हुए अपने विचार साझा किए। औपचारिक उद्घाटन समारोह के बाद शांति उपवन में 'धम्म, संवाद और विकास' विषय पर छात्र चित्रकला प्रतियोगिता हुई । जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर कलाकृतियों के माध्यम से बौद्ध शिक्षा एवं मूल्यों को सृजनात्मक ढंग से अभिव्यक्त किया। उद्घाटन सत्र के पश्चात प्रथम सत्र 'भिक्षुओं के दृष्टिकोण से बौद्ध धर्म' विषय पर केंद्रित रहा, जिसमें बौद्ध दर्शन के व्यावहारिक एवं आध्यात्मिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद 'बौद्ध-जैन समागम' विषय पर आयोजित सत्र में दोनों धर्मों की समानताओं, ऐतिहासिक संबंधों एवं समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा हुई। सम्मेलन के तीसरे सत्र में उत्तर प्रदेश सरकार के पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम ने प्रदेश के समृद्ध बौद्ध स्थलों, पर्यटन आकर्षणों, पारंपरिक कला-शिल्प और सांस्कृतिक विरासत की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत की। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन के पहले दिन 'बौद्ध धर्म : धम्म, संवाद और विकास' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा में दक्षिण कोरिया, लाओस, जापान और भारत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। वक्ताओं ने वैश्विक परिप्रेक्ष्य में बौद्ध मूल्यों की उपयोगिता और समावेशी समाज के निर्माण में उनकी भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन आगामी दो दिन तक विभिन्न विचार-विमर्श और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आगे बढ़ेगा। 01 अप्रैल, 'विकसित कुशीनगर 2047 : आगे की राह', 'कुशीनगरः फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री हब की संभावनाएं' तथा 'निवेश के अवसर एवं इन्वेस्ट यूपी व राज्य नीतियों की भूमिका' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित होंगे। इन सत्रों की अध्यक्षता अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात कर सकते हैं। दूसरे दिन छात्र वाद-विवाद प्रतियोगिता, पर्यटन शिक्षा पर अकादमिक सत्र तथा 'कुशीनगर एक पवित्र स्थल के रूप में : महापरिनिर्वाण हेरिटेज कॉरिडोर का मानचित्र' विषय पर पैनल चर्चा भी आयोजित होगी। साथ ही, प्रसिद्ध गायक रितेश पांडेय की प्रस्तुति के साथ भोजपुरी नाइट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन के तीसरे दिन 2 अप्रैल को 'बौद्ध धर्म : अंतरराज्यीय समन्वय', 'कुशीनगर के लिए पांच वर्षीय धम्म आधारित विजन : 2030 तक की रूपरेखा' तथा 'युद्ध के समय में बुद्ध की प्रासंगिकता : विश्व को आत्ममंथन की आवश्यकता' जैसे विषयों पर सत्र आयोजित होंगे। इसके अतिरिक्त विश्व शांति के संदेश के रूप में कैंडल (उड़ते दीप) उड़ाने तथा कैंडल अर्पण के साथ शांति मार्च निकाला जाएगा। कार्यक्रम का समापन पद्मश्री गायक कैलाश खेर की संगीतमय प्रस्तुति के साथ होगा। इसंबंध में अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि 'उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन मानचित्र पर तेजी से अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़े छह प्रमुख स्थल- कुशीनगर, सारनाथ, श्रावस्ती, संकिसा, कपिलवस्तु और कौशांबी, इसी प्रदेश में स्थित हैं। यही वजह है कि दुनियाभर के बौद्ध श्रद्धालु अपनी 'बोधि यात्रा' की शुरुआत उत्तर प्रदेश से करना पसंद कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के 12 पर्यटन सर्किटों में बौद्ध सर्किट एक अहम केंद्र के रूप में उभरा है।

कम खर्च में प्रोफ़ेशनल मीडिया प्रशिक्षण, करियर के सुनहरे अवसरः डॉ. दिवाकर अवस्थी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। कम खर्च में बेहतर प्रशिक्षण के साथ मीडिया इंडस्ट्री में करियर बनाने का सुनहरा मौका छात्रों को दिया जा रहा है, जहां आधुनिक तकनीकों के जरिए विद्यार्थियों को पूरी तरह प्रोफ़ेशनल बनाया जाता है और उन्हें रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए तैयार किया जाता है। यह बातें मंगलवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. दिवाकर अवस्थी ने कहीं।

उन्होंने बताया कि सीएसजेएमयू के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विभाग में स्नातक (बीए जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन) और परास्नातक (एमए जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन) पाठ्यक्रमों में 50-50 सीटें निर्धारित हैं, जिनमें प्रवेश पूरी तरह मेरिट के आधार पर किया जाएगा। स्नातक कोर्स की अवधि तीन वर्ष है, जिसमें इंटरमीडिएट पास छात्र प्रवेश ले सकते हैं और इसकी वार्षिक फीस लगभग 31,200 रुपये निर्धारित है। वहीं परास्नातक कोर्स दो वर्ष का है, जिसमें किसी भी स्ट्रीम से स्नातक पास छात्र प्रवेश ले सकते हैं और इसकी वार्षिक फीस करीब 41,200 रुपये है। इसके अलावा विभाग में एक वर्षीय परास्नातक डिप्लोमा (पीजीडीजेएमसी) कोर्स भी संचालित है, जिसमें 30 सीटें हैं और फीस लगभग 42,200 रुपये प्रतिवर्ष है। लेटरल एंट्री के माध्यम से परास्नातक के दूसरे वर्ष में प्रवेश की सुविधा भी दी जाती है, जिसके लिए संबंधित डिप्लोमा आवश्यक है और इसमें 10 सीटें निर्धारित हैं। फिल्म निर्माण (फिल्ममेकिंग) में दो वर्षीय परास्नातक कोर्स भी उपलब्ध है, जिसमें 30 सीटें हैं और इसकी वार्षिक फीस लगभग 51,200 रुपये है। उन्होंने बताया कि विभाग की विशेषता यह है कि यहां छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि आधुनिक स्टूडियो के माध्यम से प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। एंकरिंग, रिपोर्टिंग, कैमरा संचालन, वीडियो संपादन, ग्राफिक डिजाइनिंग और वॉइस ओवर जैसी तकनीकी बारीकियां अनुभवी प्रोफ़ेसरों के मार्गदर्शन में सिखाई जाती हैं। रोजगार के दृष्टिकोण से यह क्षेत्र बेहद व्यापक और संभावनाओं से भरा हुआ है। एक समाचार के निर्माण में बड़ी टीम काम करती है, जिसमें न्यूज़ लेखक, कॉपी संपादक, कंटेंट लेखक, रिपोर्टर, एंकर, वीडियो संपादक, ग्राफिक डिजाइनर, कैमरामैन और वॉइस ओवर आर्टिस्ट जैसे कई पद शामिल होते हैं। विभाग की उपलब्धियों की बात करें तो यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र देश के बड़े-बड़े मीडिया संस्थानों, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो, डिजिटल प्लेटफॉर्म और प्रशासनिक सेवाओं में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पाठ्यक्रमों में समय के साथ बदलाव करते हुए विभाग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित पत्रकारिता (एआई जर्नलिज्म) और हेल्थ कम्युनिकेशन जैसे नए विषय भी शामिल किए जा रहे हैं। साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा को भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा रहा है, जिससे छात्र आधुनिकता के साथ-साथ भारतीय मूल्यों को भी समझ सकें।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

बचत योजनाओं में मीरजापुर नंबर वन, 'डाक टीम' ने रचा इतिहास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। कभी चिट्ठियों के लिए पहचाने जाने वाले डाकघर ने अब बचत योजनाओं में ऐसा कमाल किया कि पूरा प्रयागराज परिक्षेत्र पीछे छूट गया है। मीरजापुर डाक मंडल ने 28,595 खातों के साथ प्रथम स्थान हासिल कर एक नई मिसाल कायम की है। 'प्रोडक्ट वाइज ए/सी रिपोर्ट' में अव्वल रहते हुए मीरजापुर ने दिखा दिया कि टीमवर्क और सही रणनीति से सरकारी योजनाएं भी रिकॉर्ड बना सकती हैं। इस सफलता के पीछे डाक अधीक्षक अतुल कुमार का नेतृत्व और लगातार मॉनिटरिंग अहम रही, जिसकी बदौलत उपडाकघर, शाखा डाकघर और ग्रामीण डाक सेवकों ने मिलकर शानदार प्रदर्शन किया। मासिक आय योजना, पब्लिक प्रोविडेंट फंड, सुकन्या समृद्धि योजना, आवर्ती जमा, सावधि जमा और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना जैसी योजनाओं में मीरजापुर मंडल ने न सिर्फ लक्ष्य पूरा किया, बल्कि उसे पार कर दिया। इस सफलता की खास बात यह रही कि ग्रामीण इलाकों में विशेष अभियान चलाकर लोगों को बचत योजनाओं से जोड़ा गया। डाक कर्मियों ने घर-घर जाकर लोगों को समझाया, जिससे खातों की संख्या में जबरदस्त इजाफा हुआ और डाक विभाग पर लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ। डाक अधीक्षक अतुल कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय पूरी टीम को देते हुए कहा कि यह सफलता हर कर्मचारी और ग्रामीण डाक सेवक की मेहनत का परिणाम है। हम आगे भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन करते रहेंगे।

हत्या पीड़ित परिवार से मिले कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, हर संभव मदद का दिया भरोसा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाराबंकी। कोतवाली क्षेत्र दरियाबाद के बेहटा गांव में हुई निर्मम हत्या के बाद सोमवार को शोकाकुल परिवार से मिलने मंत्री श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय विभाग अनिल राजभर पहुंचे। उन्होंने मृतक बबलू राजभर के घर जाकर परिजनों से मुलाकात की और गहरा दुख व्यक्त करते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

गौरतलब है कि बेहटा गांव निवासी बबलू राजभर की दो दिन पूर्व उस समय हत्या कर दी गई थी जब वह बर्फ बेचने के सिलसिले में नैपुरा मजरे परसावल गया था वहीं पर शंकर यादव नामक व्यक्ति ने गला रेतकर उसकी निर्मम हत्या कर दी। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश और भय का माहौल बना हुआ है। घटना की सूचना मिलने के बाद सोमवार को मंत्री अनिल राजभर बेहटा गांव पहुंचे और सीधे मृतक के घर जाकर परिवार के सदस्यों से मिले। उन्होंने मृतक की पत्नी, मां, पिता और ससुर को ढांढस बंधाया। मंत्री ने कहा कि इस दुख की घड़ी में सरकार और प्रशासन पूरी तरह से परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने मौके पर ही पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की और भरोसा दिलाया कि बच्चों की शिक्षा, भरण-पोषण और अन्य जरूरतों की जिम्मेदारी शासन स्तर से उठाई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी और किसी भी सूरत में अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री ने उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पीड़ित परिवार को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही मामले की निष्पक्ष जांच कर जल्द से जल्द न्याय दिलाने की बात कही।इस दौरान उप जिलाधिकारी, तहसीलदार बालेंदु भूषण वर्मा, खण्ड विकास अधिकारी, क्षेत्राधिकारी जटाशंकर मिश्र, कोतवाल धर्मेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

जालौन में मान्यता से अधिक कक्षाएं चलाने वाले स्कूलों पर सख्ती, 6 जांच टीमें गठित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उरई। बुंदेलखंड सीबीएसई एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष अजय इटौरिया एवं संरक्षक अशोक राठौर के नेतृत्व में जिलाधिकारी जालौन से मिला और जनपद की शिक्षा व्यवस्था से जुड़े एक गंभीर मुद्दे को उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने शिकायत की कि उरई नगर सहित जिले के कई विद्यालय अपनी मान्यता से अधिक कक्षाओं का संचालन कर रहे हैं, जो पूरी तरह नियमों के विरुद्ध है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि अनेक विद्यालयों को केवल कक्षा 8 तक की मान्यता प्राप्त है, लेकिन वे अवैध रूप से ‘अटैचमेंट’ के माध्यम से कक्षा 9 एवं 10 का संचालन कर रहे हैं। यह न केवल शिक्षा विभाग के नियमों का उल्लंघन है, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़ भी है।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि ऐसे विद्यालयों में आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का भी अभाव है। प्रयोगशालाएं, प्रशिक्षित शिक्षक, पुस्तकालय और अन्य शैक्षणिक संसाधन पर्याप्त नहीं हैं, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है और उनका भविष्य असुरक्षित हो रहा है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए मंगलवार को जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने तहसील स्तर पर छह जांच टीमें गठित करने के आदेश दिए, जो जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देशन में जनपद के संबंधित विद्यालयों का सघन एवं औचक निरीक्षण करेंगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों को केवल कक्षा 8 तक की मान्यता प्राप्त है, उनका विशेष रूप से निरीक्षण किया जाए। यदि कोई विद्यालय अवैध रूप से उच्च कक्षाएं संचालित करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि दोषी पाए जाने पर संबंधित संचालकों के खिलाफ जेल भेजने तक की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी निर्देशित किया कि सभी विद्यालय केवल उसी स्तर तक कक्षाओं का संचालन करें, जिस स्तर की उन्हें मान्यता प्राप्त है। जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिया गया है कि सभी विद्यालयों को इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अनियमितता न हो। इस दौरान एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं विद्यालय संचालकों में अजय इटौरिया (अध्यक्ष), अशोक राठौर (प्रबंधक, एस.आर. पब्लिक स्कूल), हाकिम सिंह (प्रबंधक, फाउंटेनहेड पब्लिक स्कूल), रजनीश सिंह (प्रधानाचार्य, मॉर्निंग स्टार स्कूल) और आशुतोष शर्मा (प्रबंधक, पाथ फाइंडर्स इंटरनेशनल स्कूल) सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। एसोसिएशन ने प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई के आश्वासन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वह आगे भी शिक्षा की गुणवत्ता और नियमों के पालन के लिए सक्रिय रहेगा।

चंद्रशेखर की जयंती के शताब्दी वर्ष पर होने वाले मैराथन में पुरस्कारों की होगी बारिश

बलिया। पूर्व प्रधानमंत्री युवा तुर्क चंद्रशेखर की जयंती के शताब्दी वर्ष पर 19 अप्रैल को बलिया में आयोजित 7वें चंद्रशेखर हॉफ मैराथन में इस बार पुरस्कारों की राशि बढ़ा दी गयी है। इसकी औपचारिक घोषणा राष्ट्रनायक चंद्रशेखर मैराथन समिति ने मंगलवार को किया। राष्ट्रनायक चंद्रशेखर मैराथन समिति के सचिव उपेन्द्र सिंह ने बताया कि आयोजन समिति के संरक्षक राज्यसभा सांसद नीरज शेखर द्वारा इस बार शताब्दी जयन्ती वर्ष में विजेताओं के लिए पुरस्कार की राशि बढ़ा दी गई है। वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम में प्रतिभागिता के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू है। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 18 अप्रैल है। 200 रुपये एंट्री फीस निर्धारित की गई है। वहीं, धावकों को रहने और भोजन की व्यवस्था निःशुल्क मिलेगी। उन्होंने बताया कि नीरज शेखर द्वारा प्रथम विजेता को एक लाख 25 हजार रुपये पुरस्कार दिया जायेगा।

वहीं, द्वितीय को 65 हजार तथा तृतीय को 35 हजार नगद पुरस्कार से नवाजा जायेगा। चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले को 18 हजार, पंचम स्थान प्राप्त करने वाले को 10 हजार, छठवां स्थान प्राप्त करने वाले को पांच, सातवां स्थान प्राप्त करने वाले को ढाई हजार, 8वें स्थान से 15 वें स्थान के लिए दो हजार और 16वें स्थान से 30वें स्थान तक के रनर को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 11 सौ रूपये दिए जाएंगे। सद्भावना दौड़ में सभी प्रतिभागी को आकर्षक परिधान प्रदान किये जायेंगे।

ओवरलोड डंपर से कुचलकर बाइक सवार महिला की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उरई। उत्तर प्रदेश के उरई में आटा थाना क्षेत्र अंतर्गत कालपी-चंडौत मार्ग पर बीती सोमवार की देर रात बालू से भरे एक ओवरलोड डंपर ने बाइक सवार एक युवती को कुचल दिया। इस हादसे में महिला की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साएं ग्रामीणों और परिजनों ने करीब दो घंटे तक सड़क जाम कर प्रदर्शन किया और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने व आरोपित चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। जानकारी के मुताबिक, आटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कालपी-चंडौत मार्ग पर झांकेदाई मंदिर के पास बीती देर रात आटा थाना क्षेत्र के ग्राम अमीसा निवासी प्रदीप अपनी पत्नी खुशबू (23) और बड़ी बहन गुड्डी के साथ बाइक पर सवार होकर हमीरपुर जिले के चंडौत जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक झांकेदाई मंदिर के पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार बालू से ओवरलोड डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार खुशबू सड़क पर गिर गई और डंपर के पहिए से कुचलकर उसकी मौके पर मौत हो गई। वहीं, बाइक चला रहे प्रदीप और पीछे बैठी गुड्डी टक्कर लगने से उछलकर सड़क किनारे जा गिरे। इस हादसे में गुड्डी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जबकि प्रदीप को मामूली चोटें आईं हैं। घटना देख आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलते ही मृतका खुशबू के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। गुस्साएं ग्रामीणों और परिजनों ने कालपी-चंडौत मार्ग पर सड़क जाम कर दिया। जाम के चलते दोनों ओर करीब एक-एक किलोमीटर लंबी वाहनों की कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। प्रदर्शनकारियों ने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने और फरार आरोपी डंपर चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा किया। इस सूचना पर एसडीएम कालपी मनोज कुमार सिंह, सीओ कालपी अवधेश कुमार सिंह और आटा थाना प्रभारी अजय सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन मुआवजे और आरोपी चालक की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। करीब दो घंटे तक जाम के बाद एसडीएम ने परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने और आरोपी के खिलाफ जल्द सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया, इसके बाद परिजन शांत हुए और जाम समाप्त हुआ।

थाना प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि मंगलवार को मृतका के परिजन ने लिखित तहरीर दी है। पुलिस ने मृतक महिला खुशबू के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।